कुरिन्थियों,
सुधार की किताब

सुप्रभात मित्रों, सुप्रभात! मैंने भाई नेविल को बताया था, इस प्रातः और इस आनेवाली बेदारी के लिए, मेरा गला बस थोड़ा सा खराब था। मैं इस प्रातः आपको प्रचार करने का यत्न नहीं करूंगा, क्योंकि मेरा गला बहुत खराब है। लेकिन बस यह छोटा झुण्ड जो कि यहां पर है, मुझे शायद संडे स्कूल का पाठ लेना होगा, उसके बाद उन्हें बस कुछ समय तक के लिए प्रचार करने दो। अतः हम करेंगे... मैं यहां पर बाईबल से बस एक छोटा सा पाठ लूंगा, किसी ऐसी बात के विषय में जिसके ऊपर हम पन्द्रह बीस मिनटों तक बोल सकते हैं। और शायद प्रभु हमें उस में से कुछ बात को प्रदान करेगा। अब, वो हमारे साथ बहुत ही भला रहा है, बहुत ही भला।

2 और अतः, हम थक गए हैं। मैं पिछली रात्रि कुछ देर तक जगा रहा था। मैं... उसके बाद मैं... जब से मैं आया हूं, तब से बहुत सारे फोन आ रहे हैं। और—और मैंने ध्यान दिया, और मेरे छोटे लड़के के पास मुट्ठी भर कांच के मोती थे, वह बस उन्हें खा रहा था और चबा रहा था, वे शीशे के थे, और—और वह इसे निगल रहा था, जो कांच के थे। और अतः हमने उसको पकड़ा और उसके छोटे से मुंह को धो कर उसे बाहर निकाला। तब फिर रात्रि के अधिकतर समय में हम उसके साथ में थे, अंत: मैं इस प्रातः एक प्रकार से थका हुआ हूं।

3 और मुझे ठीक तुरन्त ही बारह बजे निकलना था केन्टकी के लिए प्रस्थान करना था, और केन्टकी में जाकर किसी नियुक्त भेंट को करना है। और फिर, इस आने वाले सप्ताह में हमारी सभाएं हैं।

4 और मैं अब बस प्रयत्न करना चाहता हूं, यदि मैं ऐसा कर पाऊं तो बस कुछ रात्रि तक बस बोलना चाहता हूं। मेरे... मुझे ठंड नहीं लगी है। मैंने बस इतना अधिक प्रचार किया है इतना तक मेरी आवाज चली गयी है। समझे, यह चार महीनों से लगातार कर रहा हूं, आप समझे। और अतः फिर, उसके बाद फिर मुझे कैनेडा जाना है, और फिर अपनी नियमित सभाओं के लिए और विदेश जाने के लिए वापस आना है।

5 अब, जब मैं वहां पर बैठा हुआ था, लिओ और जीन से बातचीत कर रहा था, बस कुछ क्षणों पहले, मैं यहां उस वचन के लेख के विषय में सोच रहा था जो कि हम इस प्रातः उपयोग कर सकते हैं। यदि... अब, पहले, मैं वहां पर कुछ मिनट के लिए बैठने वाला था, मैं बहुत थका हुआ था। और मैंने सोचा, "वह बात ठीक नहीं लग रही है, मेरा वहां पीछे कमरे में बैठना, और सभा के लोग यहां बाहर है। क्यों, हो सकता है प्रभु वहां पीछे न आए मैं यहाँ बाहर आना चाहता हूं जहां पर वह उपस्थित है।"

6 अतः, मैं यह विश्वास करता हूं कि मैंने उन कारणों में एक को देख लिया है जो कि मुझे इस प्रातः यहां पर लेकर आएं हैं, भाई लिटिलफील्ड यहां पर हैं। जी हां। वह मुझसे सभा के कुछ क्षण बाद मिलना चाहता था। और भाई लिटिलफील्ड वहां ऊपर टेनेसी से हैं, वहां पर जहां बड़े— हमने एक बहुत बड़ी सभा को, हाल ही में एक उच्च विद्यालय की व्यायामशाला में की थी मैं बस उस शहर के नाम को नहीं बता पा रहा हूं। भाई लिटिलफील्ड, आप कहां पर हैं? [भाई लिटिलफील्ड कहते हैं, "क्लीवलैंड।"—सम्पा] क्लीवलैंड। ["टेनेसी।"] क्लीवलैंड, टेनेसी।

7 और अतः हमारा वहां पर एक अद्भुत समय रहा था। और वह हैं... वह मुझे "हेलो" कहने के लिए आ रहे थे, और अतः मैंने उन्हें बताया कि वह इस प्रातः यहां पर आ जाएं। हम इस प्रातः कहीं पर जा रहे थे, कहीं तो, और कुछ मित्रों के पास जिनको कि हम मिलना चाहते थे। ना ही प्रचार करने के लिए; बस भेंट करने के लिए, क्योंकि मैंने उनसे वायदा किया था। और फिर भाई लिटिलफील्ड यहां पर थे, और डॉक्टर बीलैन्ड और वे लोग यहां पर थे। और सो मैं बस आना चाहता था और इस प्रातः उन्हें मिलना चाहता था, यही कारण था कि मैं यहां पर आ गया।

8 अतः अब कुरिन्थियों की किताब में, बस उसके 10वें अध्याय में, और उसके पहले के चार या पांच पद। आईए हम बस उनके ऊपर कुछ क्षणों के लिए मनन करें, ताकि हमारे भाई को प्रचार करने का समय मिलने पाये।

अब आये हम पहले बस उसकी उपस्थिति में अपने सिरों को झुकाएं।

9 धन्य स्वर्गीय पिता, वास्तव में हम कृतज्ञ हृदयों के साथ, नम्रता के साथ इस दिन आपके समक्ष झुकते हैं, जीवन की अच्छी चीजों के लिए धन्यवाद देने के लिए। और हम इस बात का अहसास करते हैं कि जीवन स्वयं में एक महान संघर्ष है। यदि हम यह एक प्रकार से नहीं कर रहे हैं,

हम किसी दूसरे में इसे कर रहे हैं, परन्तु किसी महिमामय दिन युद्ध समाप्त हो जाएगा। और हम यीशु को देखेंगे जिसको कि देखने की बाट हमने जोही है जबकि हमने उससे प्रेम किया है, और उसके साथ में परिचित हो गए हैं, और उसके संबंधी हैं। और हमें यह जानकर बहुत खुशी होती है कि हम उसे किसी दिन देखेंगे।

10 अब, आज, जबकि हम पुराने बतूल के वृक्ष के नीचे बैठे हैं, जैसे कि तब आराम करने के लिए हुआ करता था। जैसे कि अब्राहम वहां पर बैठा हुआ था, और परमेश्वर और दो दूत आए और उससे बातचीत करी। और प्रभु हम बस आपके इस प्रातः यहां पर आने की अपेक्षा कर रहें हैं, और हमारे हृदयों से अपने वचन के द्वारा बातचीत करने के लिए, जबकि हम उसके इर्द–गिर्द संगति कर रहे हैं।

11 हमारे प्रिय और प्यारे पास्टर को आशीषित करें। प्रभु, हम यह प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें सामर्थ और साहस प्रदान करेंगे। प्रभु, हम आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप इस छोटी सी कलीसिया को, और उसके सेवकों को और उन सब को जिनका संबंध यहां से हैं, आशीषित करेंगे, और उन सभी को जो कि यहां पर आते हैं; केवल यहां पर नहीं, परन्तु दूसरे स्थानों पर भी, आपकी कलीसिया जो कि सारे विश्व में है।

12 उन भाईयों को आशीषित करें जो कि हमसे इस प्रातः यहां पर मिलने आए हैं जो कि इस सभा में हमारे साथ हैं। हम आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें संभालेंगे और आप उन के साथ में होंगे। हमारे पापों को क्षमा करें, और अपने वचन के द्वारा हमसे बातचीत करें। हम यह मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

13 यदि मैं गलती नहीं कर रहा हूं तो भाई कोट्स इस प्रातः यहां पर बैठे हुए हैं। वह थे... उस रात्रि उनके लिए प्रार्थना करने लिए वेटीरन अस्पताल गया था; केन्सर के। भाई और बहन कोट्स, आपको इस प्रातः यहां पर अन्दर देखकर हमें खुशी है।

14 अब, कुरिन्थियों की किताब में और उसके—उसके दसवें अध्याय में, यह कुरिन्थियों की किताब सुधार की किताब है। हमें कुरिन्थियों की किताब को लेना चाहिए। यह सारे नए नियम में केवल एक ही कलीसिया थी जिसमें कि ऐसा प्रतीत होता है कि अगुवों को उनके साथ में इतनी अधिक परेशानी हुई। परन्तु कुरिन्थियों हमेशा ही परेशानी में रहे। पौलूस,

जब वो उनके मध्य में आया, किसी के पास अन्य–अन्य भाषा थी, किसी के पास में भजन था, और किसी के पास में अनुभूति थी और सनसनाहट थी। और उसको हमेशा इन कुरिन्थियों को सीधे पथ पर रखने में परेशानी होती रही।

15 यदि हम ध्यान दें, वह कुरिन्थियों को गहरी बातें नहीं सिखा सकता था। वे बस एक—एक—एक बच्चे की तरह से थे। वे—वे... वह उनके साथ उस महान बातों के अन्दर, गहराई में नहीं जा सकता था, जिन संदेशों को उसने इफिसियों को प्रचार किया था और रोमियों को बताया था, और उन्हें गहरी बातें बतायीं थीं, क्योंकि वे उसे ग्रहण करने के योग्य नहीं थे। वे—वे उन छोटी सनसनाहटों और उस प्रकार की बातों के ऊपर बहुत अधिक निर्भर थे। बस, "अच्छा, प्रभु का धन्यवाद हो, मुझे ये मिल गया! मेरे—मेरे पास एक—एक प्रकाशन आया। मेरे पास एक भजन है। मेरे पास एक भविष्यवाणी है।"

16 और पौलूस ने कहा, "यह सब बातें जाती रहेंगी।" समझे? उनमें से हर एक बात, उन पर बस बहुत अधिक भरोसा नहीं किया जा सकता है। और अंत:, परन्तु, वह जिस बात पर कलीसिया को लाना चाह रहा था, वह लंगर था, जहां पर—जहाँ पर हमारे पास मसीह में एक लंगर होता है, जहां पर हम सनसनाहटों पर भरोसा नहीं करते हैं। हम प्रकाशनों पर भरोसा नहीं करते हैं। हम इन बातों पर भरोसा नहीं करते हैं। केवल हम मसीह में भरोसा करते हैं। विश्वास के द्वारा हम वहां पर जाते हैं। बस...

17 हम यह ध्यान करते हैं कि पौलूस इफिसियों को वहां पर सिखा सकता था, किस प्रकार से संसार की उत्पत्ति से पहले, उनको परमेश्वर के लेपालक पुत्र होने के लिए पहले से ठहराया गया था। अब, वह... कुरिन्थियों को उस बात के विषय में कुछ भी पता नहीं था। वे बस... उनके पास किसी अनुभव का होना ही था, या किसी और बात का, छोटी सी सनसनाहट का, *इस* बात का, *उस* बात का और किसी *दूसरी* बात का होना था। और वे उस बात पर निर्भर थे। वह उन्हें गहरी बातें नहीं सिखा सकता था।

18 अंत:, मैं सोचता हूं, यह एक महान बात है जब आपके पास लोग होते हैं जिन्हें आप गहरी बातें सिखा सकते हैं, और पवित्र आत्मा उन महान सत्यों को ले सकता है, और उन—उन लोगों के हृदयों में उसका लंगर डाल देता है, जिससे कि वे यह जान जाते हैं कि वे कहां पर खड़े हुए हैं,

सनसनाहट हो यह न हो, भविष्यवाणी हो या न हो, या यह जो भी कुछ क्यों न हो, कुछ भी हो। यदि हम... हम नहीं... अब स्मरण रखें, हम नहीं... मैं यह कहने का यत्न नहीं कर रहा हूं कि परमेश्वर भविष्यवाणीयों के जरिये से और उस प्रकार की चीजों के जरिये से व्यवहार नहीं करता है, परन्तु हम उस पर निर्भर नहीं करते हैं। हमारे पास उस बात से ज्यादा गहरी पकड़ है, आप समझे। क्योंकि, उसने कहा, "जहां भविष्यवाणीयां हैं, तो वे समाप्त हो जाएंगी। जहां भाषाएं हों, तो वे जाती रहेंगी। और जहां पर... "

19 और यह सारी सनसनाहटें जो कि कुरिन्थियों के पास में थीं, उनमें से एक भी इस बात का प्रमाण नहीं था कि उनका उद्धार हो चुका है। उनमें से एक भी इस बात का प्रमाण नहीं था कि उनका उद्धार हो चुका है। नहीं... यदि आप चिल्ला सकते हैं, यदि आप भविष्यवाणी कर सकते हैं, यदि आप बीमारों को चंगा कर सकते हैं, यदि आप अन्य भाषाओं में बोल सकते है, यदि आप अन्य भाषाओं का अनुवाद कर सकते हैं, यदि आपके पास बुद्धि हो, और आपके पास ज्ञान हो, उनमें से एक भी बात का यह अर्थ नहीं है कि आप का उद्धार हो चुका है; उनमें से एक भी नहीं। आप के पास उनमें से हर एक हो सकता है, पौलूस ने पहला कुरिन्थियों 13 में ऐसा कहा है, और नाश हो सकता है। "मैं कुछ भी नहीं हूं," समझे।

20 परन्तु आपके पास प्रेम होता है, जो कि एक लंगर है! इस प्रातः, लगभग एक घंटे तक इससे पहले कि पत्नी जागती, मैं जाग गया। और प्रभु मुझको कुछ प्रगट कर रहा था, कुछ महान बात कि कैसे परमेश्वर अपनी कलीसिया को एक साथ बंधनों में बांधता है, उस प्रेम के बंधन के द्वारा, और इसे कैसा होना चाहिए। मनुष्य के लिए बिना नया जन्म पाए उद्धार पाने के लिए कोई दूसरा तरीका कभी भी नहीं हो सकता है। परमेश्वर की इच्छा हुई तो, मैं इस बात पर इस आने वाले सप्ताह में प्रचार करना चाहता हूं। और बस यह बात मेरे हृदय में कार्यान्वित हो रही है। शायद प्रभु उस पर मुझे एक संदेश देने जा रहा है।

21 अब, यह संदेश जो कि इस प्रातः है, जैसे कि यह संदेश मेरे हृदय में वहां पर आया था, यह एक चेतावनी का संदेश है। और मैंने सोचा, कि शायद मैं इस चेतावनी को लोगों तक पहुंचा दूं, जैसे कि पौलूस इन कुरिन्थियों को चेतावनी दे रहा था। यदि हम इस चेतावनी को लोगों तक पहुंचा दें, यह जानते हुए कि हम अब एक बेदारी का सामना कर रहे हैं, और

यह जांचने का समय है, जबकि हमको जांचा जाना चाहिए। अब पौलूस ने कहाः

हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम *इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए;*

और सब ने... बादल में और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया;

22 अब, वह उन्हें यह समझ दे रहा है कि जब परमेश्वर इस्राएल को जंगल में से बाहर ले गया, जंगल में उसकी सेवा करने के लिए, और उन्हें प्रतिज्ञा किए हुए देश में ले जाने के लिए ले गया। वे... वह यहां पर एक उदाहरण दे रहा है, कि, जिस प्रकार से हम सब भौतिक वस्तुओं में से बाहर निकाले जाते हैं, सारे उन—उन रीति–रिवाजों में से, और आज्ञायें, वे सब वहीं थीं। और हम पाते हैं, आगे हमारे पाठ में, कि उनमें से बहुत से उखाड़ फेंके गए थे। क्योंकि वे सभी रीति–रिवाजों को कर सकते थे, और सारी आज्ञाओं को, और एक एक चीज को जो परमेश्वर की मांग थी, और फिर भी उनके हृदय परमेश्वर के साथ ठीक नहीं थे।

23 अब, हम बहुत सी बातों को कर सकते हैं। हम प्रभु–भोज को ले सकते हैं। हम बपतिस्मा ले सकते हैं। हम—हम कलीसिया में आ सकते हैं, अपने नामों को पुस्तक पर लिखवा सकते हैं, या बस जितने अधिक आदरपूर्ण और सम्मानजनक होते हैं जितने कि हम हो सकते है, और फिर भी नाश है। यह एक गंभीर चेतावनी है। हम बस हो सकते हैं... बस आनंदित हो सकते हैं जब कि आत्मा उतरता है, और उस सभा में जहां पर वचन का प्रचार किया जा रहा है, और हमारे प्राण बस वचन के द्वारा बस बहुत आनंदित हो सकते हैं, और फिर भी नाश हो सकते हैं।

24 "वर्षा धर्मी और अधर्मी पर पड़ती है।" वही वर्षा जो कि गेहूं को उगाती है, वहीं जंगली पौधों को भी उगाती है। यह उत्पादन का स्वभाव होता है, समझे। यह उस चीज का स्वभाव होता है जो कि हमें बताता है कि हम क्या हैं। इसलिए, यह वह स्वभाव होता है जो कि हमारे अन्दर पाया जाता है, जो कि हमको बताता है कि हम क्या हैं। समझे? ना हीं...

25 हम बहुत अधिक धर्मी हो सकते हैं इतना तक कि हम अपने हाथों को एक काम को करने के लिए रविवार को हिलाते तक नही। हो सकता है कि हम रविवार को अपने कपड़ों में एक सिलाई तक न लगाते हों। हो सकता

है कि रविवार को भोजन खरीदने में हमें धार्मिक अनुभूति न होती हो। और हो सकता है कि हम बहुत ही धार्मिक हो और बहुत ही धर्मनिष्ठ हों। परन्तु, फिर भी, यदि हमने वास्तविक रूप में परमेश्वर की आत्मा से नया जन्म नहीं प्राप्त किया है, हम बस व्यर्थ में आराधना कर रहे हैं।

26 अत:, अब, यह बहुत ही कठोर बात है। और हम वास्तव में उसका पता लगाना चाहते हैं और सत्य को जानना चाहते हैं। क्योंकि, स्मरण रहे, हमको इस बात में दूसरा मौका नहीं मिलने जा रहा है। यह बस इस बार ही है, अतः अच्छा होगा कि आप वास्तविक रूप में निश्चित हो जाएं।

अब ध्यान दें, "हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अज्ञात रहो।"

27 अब, यह कुरिन्थियों के लोग, मैंने पहले स्थान पर क्या कहा था? वे अपनी अनंत आशाओं को किसी सनसनी के अनुभव पर आधारित कर रहे थे। पौलूस ने कहा, बस... वहां पर कहा, "जब मैं तुम्हारे मध्य में आता हूं, एक के पास *यह* होता है, और एक के पास *वह* होता है। और एक—एक... " कहा, अब, सभी... यह ठीक बात है। हमारे पास उस बात के विरोध में कुछ नहीं है। परन्तु, फिर भी, यह वह बात वो नहीं है जिसके विषय में हम बात कर रहे हैं। समझे? यह वह बात वो नहीं है।

28 मुझे याद है जब मैं पहले परिवर्तित हुआ था। और मैंने आत्मा के कार्य को देखना आरंभ किया, और किस तरह से यह बात होती थी कि कुछ लोग बस सच्ची वास्तविक आत्मा की नकल करते थे, और इस प्रकार से करते थे कि यह वही होगा, क्योंकि, यह बताना असंभव था कि कौन गलत है और कौन सही है, मुश्किल बात थी।

29 और मैंने एक व्यक्ति को देखा जिसे कि मैं जानता था, और मैंने, और मनों के गुप्त विचारों के परखने के द्वारा, मैं यह जान गया कि यह व्यक्ति किसी और व्यक्ति की पत्नी के साथ रह रहा था। और वह यहां पर खड़ा हुआ था और अन्य–अन्य भाषा में बोल रहा था और अनुवाद कर रहा था, और हर एक चीज कर रहा था, और संदेशों को दे रहा था। और उसने... और मैं दूसरे व्यक्ति से एक स्थान पर मिला जहां पर मैं उससे कुछ क्षणों तक बातचीत कर सकता था, और, वह एक सच्चा वास्तविक मसीही था।

30 और मैंने सोचा, "कैसे आत्मा कर सकता है, वही आत्मा जहां पर मैं... " यह तब था जब मैंने पहली बार पेंटीकोस्ट को देखा था। और ऐसा

मिशावाका इन्डियाना में था। और मैं आपको बताता हूं, निश्चित रूप में... पहले कुछ घंटो तक, जब मैं वहां पर रहा था, मैंने सोचा, मैं दूतों के मध्य में हूं। और अगले कुछ घंटों में, मैंने सोचा कि मैं दुष्टआत्माओ के मध्य में हूं, जब मैंने उस बात को देखा था। इन दो व्यक्तियों को देखा था, एक संदेश दे रहा था, एक अनुवाद कर रहा था।

31 मैंने कभी भी अन्य–अन्य भाषाओं में बोले जाने को और उस प्रकार की बातों को पहले कभी नहीं सुना था। मैंने उन आत्माओं को देखा, वे कैसे चल रहीं थीं। मैंने सोचा, "ओह, परमेश्वर! क्यों, सहस्राब्दी का आरंभ हो गया है।" और फिर जब मुझे बाहर उनमें से एक से बात करने का मौका मिला, और मैं यह बता सकता था कि वह किस चीज का बना हुआ था, उनमें से एक जितना शैतानी हो सकता था वह था।

32 और—और उस रात्रि, मैंने उन्हें फिर से देखा, और मैंने सोचा, "ओह, मुझे यहां से बाहर निकालो। मैं यह समझ नहीं सकता हूं कि यह कैसे हो सकता है।" और मैंने देखा कि वे बातें बाईबल में थीं। और यहां पर एक था जो कि उन बातों को कर रहा था, जिसके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं था; और दूसरा उस बात को कर रहा था, और उसके पास परमेश्वर का आत्मा था। तब फिर मैं पूर्ण रूप से चकरा गया। और मैंने उस संपूर्ण बात को जाने दिया।

33 और वर्षों बाद, जब बाढ़ समाप्त हो गयी, मैं जा रहा था, ग्रीन मिल जाने वाली सड़क पर जा रहा था, श्रीमान आईलर, जो कि राज्य के सभा के सदस्य थे, वे यहां कलीसिया में आते हैं, उनसे मेरी मुलाकात सड़क पर हुई, और उन्होंने अपने हाथों को मेरे चारों ओर रखा, कहा, "बिली, मसीह अब तुम्हारे लिए क्या मायने रखता है? " मेरे पिता जा चुके थे। मेरा भाई जा चुका था। और मेरी पत्नी जा चुकी थी। मेरी बच्ची जा चुकी थी। और मैं...

कहा, "उसका क्या मायने है? "

34 मैंने कहा, "श्रीमान आईलर, वो जीवन से भी अधिक मेरे लिए मायने रखता है।" मैंने कहा, "मेरे भीतर कुछ तो बात हुई है। कुछ वर्ष पहले, मसीह मेरे हृदय में आया है। और मैं—मैं... यह बात बस उससे भी ज्यादा है जितना कि मैं स्वयं हूं। यह बस कुछ तो बात है जो की घटित हुई है। यह इसलिए नहीं था कि मैं धार्मिक था। ऐसा नहीं था। यह बस वह बात थी

जिसको कि परमेश्वर ने अनुग्रह के द्वारा मेरे लिए किया।" और मैंने कहा, "चाहे वो मुझे घात भी कर दे, मैं उसपर उसी प्रकार से भरोसा करता रहूंगा। और यदि मैं नरक में होता था, और नरक में प्रेम के जैसी कुछ चीज होती, मैं उससे फिर भी प्रेम करता।" यही सब कुछ है। यह *यहाँ* अंदर कुछ तो बात है। वह ठीक है। मैं उस हर एक दंड के लायक था जो कि मुझे मिली। आप उसी बात को करें। परन्तु यदि वह लंगर, वह कुछ चीज, वह परमेश्वर के प्रेम का लंगर, जो कि मानवीय हृदय को लंगर करता है। दूसरी चीजें बस दूसरे स्थान पर हो जाती हैं।

35 वहां पर लकड़ी के लट्ठे पर बैठे हुए, मैं किसी और बात के लिए प्रार्थना कर रहा था। और मेरी बाईबल खुल गई, और मैं... इब्रानीयों की पुस्तक, उसके 6वे अध्याय में पढ़ रहा था। और मैं वहां पर यह पढ़ रहा था, कि कैसे, "यह उनके लिए असंभव है जिन्होंने एक बार ज्योति पायी है, और पवित्र आत्मा के भागी हो गए हैं, यदि वे भटक जाएं, तो उन्हें मन फिराव के लिए नया बनना अनहोना है। क्योंकि जो वर्षा धरती पर बार–बार आती है, कि इसे पानी से सींचे, जिससे कि इसे तैयार करें, जिसके लिए इसे तैयार किया गया है। पर यदि वह झाड़ी और ऊंटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और ख़ापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है।"

36 और पवित्र आत्मा मुझसे उस विषय में बातचीत करता रहा। "वह क्या बात है? " मैंने उस बात को फिर से पढ़ा। और तब एक दर्शन आया। और मैंने संसार को अपने सामने घूमते हुए देखा। वह पूरी तरह से समतल था, और जैसे कि उसमें जुताई की गई हो, और बोने के लिए तैयार हो। और एक व्यक्ति सफेद वस्त्रों में बीज बोने के लिए निकला। जब वह पृथ्वी की गोलाई के चारों ओर गया, तब एक और व्यक्ति काले वस्त्र पहने हुए आया जो कि बीजों को बो रहा था। और जब वे बीज जो कि अच्छे व्यक्ति ने बोए थे ऊपर आये, वे गेहूं थे। और जो कि बुरे वाले थे, जिसे काले व्यक्ति ने बोए थे जब वे ऊपर आये, और वह काले वस्त्र पहना हुआ था वह ऊपर आए, और वह जंगली पौधे थे। और, ओह, वे एक दूसरे के विपरीत थे।

37 और दर्शन में एक बड़ा अकाल आ गया। और छोटे गेंहूं के पौधे ने अपने सिर को झुका लिया; वह बस जल के लिए बहुत अधिक प्यासा था। और जंगली पौधों ने अपने सिर को नीचे झुकाया; वह जल के लिए प्यासा था। तब फिर एक बड़ा बादल ऊपर आया, और वर्षा नीचे गिरने लगी। और

छोटा सा गेहूं ऊपर उठा और चिल्लाने लगा, "प्रभु की स्तुति हो! प्रभु की स्तुति हो!" वह उस जल को पाकर बहुत आनंदित था। और छोटा सा जंगली पौधा खड़ा हुआ, चिल्लाने लगा, "प्रभु की स्तुति हो! प्रभु की स्तुति हो!" उसी जल के लिए।

38 उसके बाद तब मैं समझ गया। समझे? यह बात इस प्रकार से है। पवित्र आत्मा उतरेगा, परन्तु, "उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे," प्रभु यीशु ने ऐसा कहा। समझे? समझे? आत्मा की प्रतिक्रिया से नहीं, चाहे वे बिमारों को चंगा करते हों, या चाहे वे अन्य–अन्य भाषाओं में बोलते हों, या चाहे वे आत्मा में गाते हों, या चाहे वे *इस* प्रकार से या *उस* प्रकार से आनंदित होते हों। वे उन सभी बातों को कर सकते हैं और फिर भी नाश हो सकते हैं। यह तो आपका जीवन है जो कि आपके अन्दर होता है, फिर से जन्म का अनुभव।

39 अब, पौलूस कुरिन्थियों को इस बात को बताना चाह रहा था। "मैं... "

फिर भी, हे भाइयों, मैं चाहता... मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से *अज्ञात रहो* कि, *कैसे... हमारे* सब *बापदादे बादल के नीचे थे, और... सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए;*

और... समुद्र में मूसा का बपतिस्मा लिया...

40 उन में हर एक जन जंगल में गया था। यीशु ने कहा, "वे सभी जो कि 'प्रभु, प्रभु,' करते हैं, प्रवेश नहीं करेंगे। परन्तु वही जो कि मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरी करता है।" यह वह बात नहीं है जो आप कहते हैं। आप सुसमाचार का प्रचार कर सकते हैं और फिर भी नाश हो सकते हैं। निश्चित रूप से।

41 यह बस छोटे बच्चों की चीजें नहीं हैं। यह पूर्ण रूप से है... यह गहरी बात है। और मसीहत कोई छोटी सी, ऐसे ही हल्की सी, मनगढ़त बात नहीं है, जैसे कि, "अच्छा, मैं कलीसिया जाऊंगा, और मैं जानता हूं कि वहां पर जाना मेरा कर्तव्य है।" यह मसीहत नहीं है। भाई, यह मसीहत ना ही...

42 यह कुछ वह बात है जो कि परमेश्वर ने किया है। परमेश्वर ने आप को मसीह में चुना है, और प्रेम रूपी उपहार के रूप में मसीह को दे दिया। और यदि... यह परमेश्वर की बुलाहट है, चुनाव है! और यदि हमारे पास उस प्रकार के व्यक्ति बनने का अवसर है, और फिर हम उसे संसार की छोटी

सी चीजों के लिए ठुकरा देते हैं? अब जब हम आगे बढ़ते हैं आप ध्यान से सुने।

और सभी ने *एक ही आत्मिक* मन्ना में से *खाया*;

43 क्या आप ने उस बात को सुना? 3रा पद।

और सभी ने *एक ही आत्मिक* मन्ना में से *खाया*;

44 वह किस के विषय में कह रहा है? कलीसिया के रीति–रिवाजों के विषय में। लोग कलीसिया आते हैं और कहते हैं कि उन्होंने पश्चाताप किया है, और मसीह में प्रभु यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया है। "और उन्होंने भी उस जंगल में वैसा ही किया," पौलूस ने कहा। वही बात कुरिन्थियों ने की थी। वे अन्दर आए थे और मसीह में बपतिस्मा लिया था। मसीह को बाहरी रूप से ग्रहण किया था। उसे व्यावसायिक रूप में ग्रहण किया था। बौद्धिक रूप में उसे ग्रहण किया था।

45 परन्तु भाई, यह बुद्धिजीवी होने से कहीं ज्यादा है यह उस बात से बहुत परे है। इसमें वास्तविक रूप में एक—एक जन्म होता है, यह बस मानसिक विचारधारा या एक भावानात्मक कार्य नहीं होता है। परन्तु यह एक जन्म होता है, अनुभव होता है, कुछ ऐसी बात होती है जो कि हृदय के ठीक अन्दर जाती है और अंदरूनी अस्तित्व को बदल देती है, दूसरे शब्दों में वह आपको उस बात को करने को लगाता है जो कि आप नहीं करना चाहते। यह आपको उन से प्रेम करने को लगाता है जिनसे प्रेम किया नहीं जा सकता। यह आपको भिन्न रूप में व्यवहार करने को लगाता है जितना कि आपने कभी सोचा भी नहीं होता है कि आप ऐसा करेंगे।

46 और जब स्थितियां खड़ी होती हैं, यह आपका लंगर होता है। आप को यह सोचना नहीं पड़ता है, "क्या मैं यह कर पाऊंगा?" ओह, नहीं। यह वो बात नहीं कि क्या मैं ऐसा कर पाता हूं कि नहीं। इसे मेरे लिए पहले से ही बनाया हुआ है। मसीह जो कि मुझमें है, उसने यह स्वयं बनाया है, और मैं बस उसके लंगर में केवल भरोसा करता हूं। क्या ही अद्भुत बात है!

47 ध्यान दें, उन सब ने प्रभु–भोज लिया था। वह प्रकाश जो कि वहां था... हम जानते हैं कि वह स्वाभाविक प्रक्रिया थी, क्योंकि वह एक छोटी सी पाले के जैसी चीज थी जिसकी वर्षा स्वर्ग से होती थी, छोटे से टुकड़े जिनपर शहद लगा हुआ होता था। ये... वह पतली रोटी बस एक पपड़ी के समान होता थी, एक छोटा सा बिस्कुट जैसा, और उसके ऊपर शहद लगा

हुआ होता था। और वे सब इसके भागीदार थे। हर एक जन लाल सागर में होकर गया, और सब ने बादल में और समुद्र में होते हुए मूसा का बपतिस्मा लिया। परमेश्वर के दास के रूप में उसके निर्देशों का पालन किया, उन सभी का बपतिस्मा उस में हुआ था। वे सभी अनुकरण करने वाले थे, जैसे कि हम आज कर रहे हैं, पवित्र आत्मा के द्वारा चलाये चल रहे है, जो कि मसीही कलीसिया का महान शिक्षक है। हमारी अगुवाई पानी के बपतिस्मे में से होते हुए जाने के द्वारा हो रही है।

और उसने कहा, "और उन सभी ने एक सा मन्ना खाया।" वो...

48 इसने क्या किया था? वह मन्ना कोराह और उसके झुण्ड के लिए भी गिरता था, ठीक उसी प्रकार से जैसे कि वह मूसा, कालेब और यहोशु के लिए गिरता था। वे सभी एक साथ मिश्रित थे, सभी बपतिस्मा के भागीदार थे, सभी सदस्यता के भागीदार थे, सभी अंगीकार करने में भागीदार थे, और, अब, सभी प्रभु–भोज के भागीदार थे।

49 आप समझ गए? इस गंभीर चेतावनी की ओर देखें। और, आराधनालय के लोगों, इस बात को नीचे गहराई तक बसा लें। याद रखें, यह आपका अनंत गन्तव्य स्थान है, जो कि ठीक उस बात पर टिका हुआ है। आप इसे बस ऐसे ही ना जाने दें जैसे कि यह एक छोटी हल्की सी चीज या ऐसे ही कुछ तो है। यह ऐसी कुछ तो चीज है जिसके प्रति हमें अवश्य ही आदर के साथ आना है। यह कुछ ऐसी बात है जिसका यह अर्थ है कि क्या हम आज के बाद जीवित रहेंगे कि नहीं।

50 उन सभी ने लाल समुद्र में से होते हुए मूसा का बपतिस्मा लिया था। उन सभी ने उस आत्मिक अस्तित्व, उस बादल और आग का स्तंभ का अनुकरण किया। उन सभी की अगुवाई एक ही दूत के द्वारा हुई थी। वे सभी एक ही पास्टर के द्वारा बाहर आए थे। उन सभी का बपतिस्मा समुद्र में हुआ था। उन सभी ने एक ही आत्मिक भोजन किया था। और वो मन्ना मसीह था। मसीह नीचे आता था, मन्ना स्वर्ग से हर रात्रि नीचे आता था, लोगों को उनकी यात्रा में पोषित करने के लिए और वे यहां पर नाश हो गए।

51 और मसीह स्वर्ग से आया और अपने जीवन को दिया, ताकि, "जो कोई उस पर विश्वास करे वो नाश न हो परन्तु सनातन का जीवन पाए।" मसीह नीचे आया और हमारा मन्ना बन गया, ताकि हम इन एक ही आत्मिक आशीषों में से खाने पाएं।

52 इसीलिए, पवित्र आत्मा ठीक लोगो के मध्य में गिर सकता है, और सभी के लिए मसीही और गुनगुने, और आधे विश्वासी, और सीमा रेखा के विश्वासी वे उसी एक में से खाते हैं। परन्तु उस बात का अर्थ अभी भी वह नहीं है। ओह, मैं सोचता हूं कि मेरे पास शब्द होते, कि मैं इस बात को आपको अच्छी तरह से समझा पाता और यहां पर उपस्थित हर एक जन के हृदय में कस कर बांध पाता। और देखिए यह क्या ही गहरी बात है। यह वह बात नहीं है जिसके साथ में खिलवाड़ किया जा सके। यह बस कलीसिया में जाना नहीं होता है।

53 अब, सुनिए। उन सभी ने एक ही आत्मिक मन्ना खाया। उसके विषय में सोचें, आत्मिक मन्ना!

54 "ओह," आप कहते हैं, "मैं जानता हूं कि मेरा उद्धार हो चुका है। हाल्लेलुय्या! मैं आत्मा में चिल्लाया। मैंने *ऐसा* अनुभव किया।" इस बात का उससे कुछ भी लेना देना नहीं है। आप समझे कि किस प्रकार से हम अपने अनंत गन्तव्य स्थान को किसी सनसनी महसूस होने के ऊपर आधारित करते हैं? क्या आप देख सकते हैं, इस दिन में जिस में हम रह रहे हैं, कि कैसे लोग अपने—अपने गन्तव्य स्थान को बस एक छोटी सी सनसनी महसूस होने पर आधारित करते हैं? "ओह," कहते हैं, "मैं जानता हूं कि मुझे यह मिल गया, क्योंकि मुझे—मुझे अनुभव हुआ कि सामर्थ मेरे अन्दर से होकर गयी। मैंने *ऐसा* किया।" हो सकता है कि वह बिलकुल ठीक बात हो, और आप फिर भी नाश है।

55 ओह, यदि हमारे पास बस कुछ समय होता। आइये हम यहां पर बस कुछ समय के लिए पहला कुरिन्थियों 13 निकालें, और ठीक यहाँ पर सुने पौलुस का इसके बारे में क्या कहना है।

> *यदि मैं मनुष्यों और... स्वर्गदूतों की बोलियां बोलू... और दैविक प्रेम न रखू* (जो कि प्रेम है), *तो मैं एक ठनठनाता हुआ पीतल* और *झंझनानी हुई झांझ जैसा होता हूं।*
>
> *... यदि मैं भविष्यवाणी कर सकू, और* उन *सारे भेदों को समझूं, और* उन *सब प्रकार के ज्ञान को जानूं; और मुझे यहां तक पूरा विश्वास हो, कि मैं पहाड़ों को* हटा दू, *परन्तु प्रेम न रखूं, तो मैं कुछ भी नहीं।*

56 उस सख्त बूढ़े प्रेरित को देखिए जो कि इस सनसनी महसूस करने

वाली कलीसिया में इस बात को समझा रहा है, जो कि अपनी आशाओं को किसी सनसनी होने पर आधारित कर रहे थे। अब, यह संडे स्कूल है। यह सुधार का स्थान है। यह एक शिक्षा का स्थान है। और उस व्यक्ति पर हाय जो पुलपीट पर खड़ा होता है और पथ से भटकाता है। भाई, यह वह समय है जब हम वचन से वचन की तुलना करें। यह ठीक बात है।

> *और यदि मैं अपनी संपूर्ण संपत्ति कंगालों को खिला दूं... या अपनी देह जलाने के लिए दे दूं, और प्रेम न रखूं तो मुझे कुछ भी* लाभ *नहीं है।*

57 समझे, आपके सारे अच्छे कार्य, आपके सारे अच्छे कर्म, सारी वह अच्छी आत्मिक चीजें जो कि आपके पास हैं, सारे दान जो कि आपके पास हैं, सारी सनसनी जो आपके पास हैं, सारा आनंद जो आपके पास हैं, सारी शान्ति जो आपके पास हैं, आरंभ से ही उसका उस बात से कुछ भी लेना–देना नहीं है। [टेप में रिक्त स्थान—सम्पा।]

58 उस विषय में बस कुछ क्षण के लिए सोचिए। और कलीसियाओं के विषय में सोचें, हमारी बड़ी–बड़ी कलीसियाये, प्रेसबीटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और संप्रदाय, वे यह सोचते हैं कि क्योंकि वे कहते हैं, "मैं विश्वास करता हूं," और वे अन्दर आते हैं, अपना नाम पुस्तक पर लिखवाते हैं, इसे बात समाप्त हो जाती है। वे कितने दूर हैं!

59 हमारे पेंटीकोस्टल लोग यह सोचते हैं, अच्छा, क्योंकि उनको एक छोटी सी सनसनानी महसूस हुई है, उनको अच्छा अनुभव हुआ, उन्होंने अन्य भाषाओं में बोला है, उनके हाथों पर लहु आया है, उनके चेहरे पर थोड़ा सा तेल आया है, या कुछ ऐसी बात हुई है, "हमें ये मिल गया।" ओह, वे सौ लाख मील दूरी पर हैं! आप इसे समझ गये? देखिए कि कैसे शैतान ने, जो इस युग का ईश्वर है, उनकी आंखों को अँधा किया हुआ है, और वे ठीक उसी प्रकार से जीवन को जीते चले जा रहे हैं। सुनिए।

> क्योंकि *यदि मैं अपनी संपूर्ण संपत्ति कंगालों को खिला दूं, और यदि अपनी देह... जलाने के लिए दे दूं, प्रेम न रखूं... तो* मैं *कुछ भी नही* हूं।

60 उन सभी दानों को देखें, उन सभी अच्छी चीजों को। "मैं निर्धनों को भोजन खिलाता हूं। मेरे विषय में ऐसा है कि मेरा हृदय बहुत अच्छा है। मैं *यह* करता हूं। मैं *वह* करता हूं। मैं कलीसिया जाता हूं। मैं अन्य–अन्य

भाषा में बोलता हूं। मैं भविष्यवाणी करता हूं। मैं बीमारों को चंगा करता हूं। मैं सुसमाचार का प्रचार करता हूं। मैं इन बातों को करता हूं।" पौलूस ने कहा, "फिर भी, मैं कुछ नहीं हूं।" इन सभी चीजों की शारीरिक रूप से नकल की जा सकती है। अब वह क्या कहता है?

प्रेम धीरजवन्त है,... और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता है,... और फूलता नहीं है,

वह अनरीति *नहीं* चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता,... (जरा सोचे!) *झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता;*

61 दैविक प्रेम, प्रेम। प्रेम क्या है? यह परमेश्वर है? परमेश्वर आपके पास में कैसे आता है? एक जन्म के द्वारा। समझे?

62 अब, उन सभी ने मूसा का बपतिस्मा लिया था। उन सभी ने प्रभु भोज को खाया था। उन सभी के पास एक ही आत्मिक मन्ना था जो कि परमेश्वर के पास से आया था। उनमें से हर एक ने एक ही चीज खायी थी।

63 और, आज, हम ठीक यहाँ पर खड़े होकर और वचन को सुनते हैं, और उस पर आनंदित होते हैं, और मन्ना को लेते हैं और उसे खाते हैं, और कहते हैं, "ओह, हाल्लेलुय्या! वह बहुत अच्छा है। ओह, मैं इसकी प्रशंसा करता हूं। हां, मेरा बपतिस्मा कलीसिया में हुआ था। मैं—मैं अपने कार्य को लेता हूं और उसे करता हूं। मैंने अपना नाम पुस्तक पर लिखवाया है। मैं एक विशेष सदस्य हूं।" यह सब कुछ पूरी तरह से व्यर्थ है यदि वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो कि परमेश्वर ने किया हो। यदि ऐसा है... वे चीजें तो आपने की थीं। वे वह चीजें थीं जिनको कि आपके विश्वास ने उत्पन्न किया था।

64 परन्तु, जब तक परमेश्वर ने आपके लिए कुछ नहीं किया है, नये जन्म के लिए! अब बस कुछ क्षण। अब 4था पद।

और सब ने एक ही आत्मिक चट्टान *का जल पीया: क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे जो उन के साथ–साथ चलती थी: और वह चट्टान मसीह था।*

65 उन सभी ने उस सोते में से पीया, वे आनंदित हुए। तब फिर उस बात का क्या अर्थ है? गेहूं और जंगली पौधे दोनों आत्मिक जल को पाकर आनंदित हुए। हम कलीसिया जाते हैं। हम बाकी सभी के साथ ताली को

बजाते हैं। [भाई ब्रंहम अपने हाथों से तीन बार ताली बजाते हैं—सम्पा।] हम बाकी सभी के साथ चिल्लाते है। बाकी सभी के साथ फर्श पर ऊपर और नीचे कूदते हैं। हम बाकी सभी के साथ मिलकर परमेश्वर की स्तुति करते हैं। हम बाकी सभी के साथ मिलकर भविष्यवाणी करते हैं। हम बाकी सभी के समान अन्य–अन्य भाषा में बोलते हैं। हम बाकी सभी के सामान बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं। परन्तु उसने कहा... अब सुनें, जबकि हम थोडा और आगे जाते हैं।

66 अब वो... मैं एक मिनट के लिए रूकना चाहता हूं, ओह, उस बात पर, "वह चट्टान मसीह था।" वह चट्टान मसीह था। वह वहां पर वास्तविक रूप में था, जैसे कि वह आज आत्मिक रूप में है। वो मन्ना, वह भोजन, जो कि वचन है जो कि परमेश्वर के पास से स्वर्ग से आता है। मसीह परमेश्वर का वचन है, और हम वचन को खाते हैं। समझे? हम बैठते हैं, जैसे कि हम संदेश में इस प्रातः बैठे हुए हैं, हम सुनते हैं। हमारे प्राण आगे बढकर और वचन को पकड़ लेते हैं। हम वचन के द्वारा जीते हैं। उसने कहा, "वे सभी एक ही आत्मिक मन्ना में से खाया करते थे, और उन सभी ने जल पीया, सब ने एक ही आत्मिक चट्टान से जल को पीया, और वह चट्टान मसीह था।" उस के विषय में सोचें।

67 अब वह क्या करने जा रहा है? यहां इस बात को अन्त करने जा रहा है। वह उन कुरिन्थियों को चेतावनी दे रहा है, "सावधान रहो कि तुम क्या कर रहे हो। जब मैं तुम्हारे मध्य में आता हूं, एक के पास स्तुती गान होता है, एक के पास अन्य भाषा होती है, एक के पास *यह* होता है, एक के पास *वह* होता है, एक के पास भविष्यवाणी होती है, एक के पास प्रकाशन होता है, एक *यह* कर रहा होता है, एक *वह* कर रहा होता है।" सावधान रहो। अपना विश्वास उस बात पर आधारित न करो। वे सभी चीजे ठीक हैं, उनका अपना स्थान है, और कलीसिया में है, परन्तु कभी भी अपने उद्धार को उस बात पर आधारित न करो। यदि तुम्हारा जीवन परमेश्वर के वचन से मेल नहीं खाता है, तब परमेश्वर के साथ ठीक होने का यही समय है।

68 अब, ध्यान दें, और, यह चट्टान, यह वह चट्टान थी जो कि जंगल में थी।

69 और मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, जब परमेश्वर ने मूसा को बुलाया, और उसे मिस्र में फिरौन के जुए के नीचे से इस्राएल की संतान को छुड़ाने

के लिए भेजा था, उसने कहा, "यह तेरे हाथ में क्या है? "

और उसने कहा, "यह एक लाठी है।"

70 और उसने लाठी को लिया और जमीन पर फेंक दिया, और वह सांप बन गयी, और वह, मूसा वहां पर से भागा, फिर उसने उसे उठा लिया, और वह उसके हाथ में लाठी बन गयी।

71 और वह लाठी, जब वह मिस्र में गया, उसने उसको मिस्र के ऊपर आगे किया, और डांसे आ गयीं। उसने लाठी को आगे किया, और विपत्ति आ गयी। यह परमेश्वर का न्याय था। परमेश्वर का न्याय उस लाठी को आगे करने में था।

72 और फिर, ध्यान दें, इससे पहले कि लाठी को वास्तविक रूप में प्रयोग किया जाता। मूसा ने अपने हाथ को अपनी छाती पर रखा, और वह कोढ़ में बदल गया।

73 जैसे कि हर एक व्यक्ति, आरंभ से ही पापी होता है। उस से बचने का कोई तरीका नहीं होता है। आप पाप में जन्म लेते हैं, कुकर्म में ढाले जाते हैं, और संसार में झूठ बोलते हुए आते हैं। हो सकता है कि आपका समर्पण आपकी माँ की कलीसिया की वेदी पर हुआ हो। हो सकता कि आप का जल से छिड़काव हुआ हो। हो सकता है कि आप *यह* और *वह* रहे हों। परन्तु आप आरंभ से ही पापी हैं।

74 फिर, एक और बात है। परमेश्वर ने कहा, "अपने हाथ को अपनी छाती में वापस डाल दे।" उसकी छाती के ऊपर रख, उसने अपने हाथों को परमेश्वर के आदेश पर फिर से रखा, जहां पर हम लाए गए थे। पहले, उसका हाथ एक कोढ़ी था। आप को पहले एक पापी के रूप में परमेश्वर के द्वारा लाया गया था; ना ही चुनाव करने के द्वारा, परन्तु स्वभाव के द्वारा; तब आप फिर से वापस जाते हैं। और जब वो बाहर आता हैं, हाथ साफ और शुद्ध था, वह यह दिखा रहा है, कि इससे पहले कि वह न्याय की लाठी को चलाए, उसे एक साफ किया गया हाथ होना है, इससे पहले कि वह उसे हिला सके। और कोई भी सेवक, कोई भी शिक्षक...

75 मैंने इस प्रातः किसी बात को सुना जिसने कि वास्तव में मेरे लहू को जमा दिया, बस आने के ठीक पहले जब मैंने रेडियो को चलाया। मैं किसी का निरादर नहीं करता हूं; और यदि यहां पर किसी उस व्यक्ति से संबंध है, तो मेरा अर्थ आप को चोट पहुंचाना नहीं है। परन्तु यह समय है... और

परमेश्वर मेरी इस बात में सहायता करे कि मैं हमेशा ऐसा मसीही बना रहूं, कि मैं काले को काला और सफेद को सफेद कह सकूं, और ईमानदार बना रहूं।

76 मैंने किसी को गाते हुए सुना, और कहा, "मेरे पास करार या नियम है।" और उसने इसे खोला और वचन को पढ़ा, और पहले भजन संहिता से प्रचार करना आरंभ किया, "क्या ही धन्य है वह पुरुष जो कि दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता है, और न पापीयों के मार्ग में खड़ा होता और न ठट्ठा करने वालों की मंडली में बैठता है।" आप जानते हैं कि वह व्यक्ति कौन था? राक–एन–रोल करने वाला व्यक्ति, जिमी आसबर्न जो कि रेडियो पर था, सुसमाचार प्रचार कर रहा था।

77 ओह, भाई, यदि कभी कोई अपमान की बात है तो वो यही है! इस प्रकार के व्यक्ति को परमेश्वर के जीवित वचन के अन्दर प्रवेश करने का कोई काम नहीं है। और आप इस व्यक्ति को लेते है जो कि रेनफ्रो वेळी बार्न डांस से है, जो सारी रात वहां उस पुराने मौज–मस्ती में था, वे तालियों को बजा रहे थे और उसी प्रकार से मौज–मस्ती करते ही जा रहे थे। और अगली प्रातः, अपनी आवाज को बदल दिया और मसीही की तरह से बात करने लगा। और क्यों, यह परमेश्वर की दृष्टि में असभ्य और घिनौनी बात है।

78 वह हाथ जो कि न्याय की लाठी को चलाता है उसको मसीह की सामर्थ और पुनरुत्थान के द्वारा शुद्ध होना चाहिए। परमेश्वर के वचन में हाथ डालने का उसका कोई काम नहीं है। यहां तक कि बहुत से प्रचारक लोग एल्विस प्रेसली की सफाई देते हैं, जो कि संसार में एक आधुनिक यहूदा इस्करियोती के अलावा कुछ नहीं है। यहूदा इस्करियोति को तीस चांदी के सिक्के मिले; ऐल्विस प्रेसली के पास दस लाख डॉलर हैं और कैडिलैक की गाड़ियों का समूह है। परन्तु, वह बिक गया है। वह एक पेंटीकोस्टल विश्वासी था, और उसने अपना पहीलौठे के अधिकार को एक रॉक–एन–रोल बनने के लिए बेच दिया, और वह शैतान से प्रेरित है। और मैं उस बात को कहने में बिलकुल भी हिचकिचाता नहीं हूं। नहीं, श्रीमान। और एक आधुनिक यहूदा इस्करियोती।

79 और फिर, यहां तक कि सेवक भी उसी प्रकार की चीज को बनाने का यत्न कर रहे हैं। और एल्विस प्रेसली कह रहा है, "हां, मैं अपनी सफलता के

लिए परमेश्वर पर विश्वास करता हूं।" कैसे जीवित, और पवित्र परमेश्वर कभी किसी असभ्य और शैतानी और दुष्ट आत्मा से भरी हुई चीज को सफलता प्रदान कर सकता है?

80 यह पूरी तरह से सबसे बड़ी रुकावटों में से एक है जिसे इस राष्ट्र ने यहां तक कभी देखा है, वह एल्विस प्रेसली है जिसने कि अपने पुराने गन्दे, घिनौने रॉक–एन–रोल की चीजों के द्वारा लाखों प्राणों को नरक में भेज दिया है। निश्चित रूप से। मुझे बोलने में बिलकुल भी कोई खेद नहीं है। यदि आप मेरा विश्वास करते हैं परमेश्वर के भविष्यवक्ता के रूप में, स्मरण रखिये, यह एक देहधारी शैतान है। पूरी तरह से यह सही बात है।

81 और जिमी आसबर्न और उन लोगों का परमेश्वर के वचन के साथ कोई काम नहीं है। और न ही उस व्यक्ति का है जो कि परमेश्वर के नाम को व्यर्थ में लेता है, उस जगह लेता है जहां शोर–शराबा और उत्सव हो रहा होता है और उन रॉक–एन–रोल में और उसी प्रकार के असभ्य चीजों में लेता है, और फिर किसी भी पुलपीट पर आता है और परमेश्वर के वचन को बोलता है।

82 इन कलीसियाओं में बहुतेरों के साथ आज यही मामला है, आप उन स्थानों पर से इन छोटे से पुराने बूगी–वूगी संगीत को सुनते हैं। एक छोटी सी लड़की जो कि इन शोर–शराबा से भरी हुई पार्टी से आई और एक रात, वह इन सभी प्रकार की रॉक–एन–रौल करके; और वह वेदी पर आती है, और अगली रात्रि आप उसको एक विशेष गीत गाने के लिए खड़ा करते हैं। आप में कुछ लोग उन पुराने गिटार बजाने वालो को उन स्थानों पर से और रात्रि के क्लबो से लेकर आते हैं, और दो सप्ताह में उसे पुलपीट पर प्रचार करने के लिए खड़ा कर देते हैं।

83 भाई, मैं आपको बताता हूं, वह इस बात को यहां पर कभी भी नहीं कर पाएगा। नहीं, वास्तव में नहीं। उसे अध्ययन करना होगा, अपने आप को परमेश्वर के व्यक्ति के रूप में सिद्ध करना होगा, और पता लगाना होगा। हम एक रात्रि में इस प्रकार से कूद कर खड़े हो जाने में विश्वास नहीं करते हैं। यही कारण है कि कलीसिया आज इस स्थिति में है।

84 हमें सत्य की आवश्यकता है। वचन ही सत्य है। यह ठीक बात है। वह हाथ जो कि न्याय की लाठी को घुमाता है, उस हाथ को अवश्य ही साफ होना चाहिए। यह बिलकुल ठीक बात है।

85 मूसा का न्याय का हाथ साफ किया गया था, और तब लाठी को उस में रखा गया था। और वह लाठी नीचे गयी और इस्राएल पर न्याय लेकर आयी।

86 और फिर, जंगल में, वह सुन्दर नमूना था। और मुझे बन्द करना चाहिए। यह सुन्दर नमूना तब था जब एक चट्टान वहां पर थी, "और वह चट्टान मसीह था।"

87 और नाश हो रहे लोग जल के लिए मर रहे थे, और वे इसके हकदार थे। वे मरने के हकदार थे क्योंकि वे बुड़बुड़ाये थे। उन्होंने शिकायत की थी। वे आरंभ से ही विश्वासी नहीं थे। वे बुद्धिजीवी विश्वासी के अलावा कुछ नहीं थे। वे... उस अलौकिक को किया जा चुका था, और एक मिली जुली भीड़ बाहर निकली थी। वे अपने हृदय से परिवर्तित नहीं हुए थे।

88 झुण्ड में केवल तीन थे, जिनको कि हम जानते हैं; मूसा, हारून, और कालेब और मिरियम।

89 और मिरियम ने भी अपने विश्वासघात को दिखाया, जब वह इसलिए हंसी, क्योंकि मूसा ने एक नीग्रो लड़की से विवाह किया। और कहा, "क्या विवाह करने के लिए कोई और लड़की नहीं थी, और इसी प्रकार की बातें? वह ऐसा कर सकता था।" और परमेश्वर उस बात से प्रसन्न नहीं हुआ, और उसे कोढ़ से पीड़ित कर दिया।

90 और उसका अपना भाई चिल्ला उठा, कहा, "क्या तुम अपनी बहन को उस प्रकार से मरने दोगे? "

91 और परमेश्वर ने मूसा से कहा कि उसके सामने आए। और उसने जाकर और मिरियम के लिए—के लिए बिचवाई के काम को किया। वह उसके बाद बहुत अधिक दिन तक जीवित न रह पायी।

92 नहीं, भाई। जो परमेश्वर करता है वह सिद्ध होता है। हमारा कोई काम नहीं बनता कि हम अपने दिमाग से सोचकर उस बात में कुछ भी डाले। बस जैसे ये है, उसे वैसे छोड़ दें। परमेश्वर ने इसे किया है; परमेश्वर ने उसे कहा है; इससे बात ख़त्म हो जाती है। बस उसे ले लो। मैं यह नहीं जानता हूं कि किस प्रकार... यदि मैं इसे समझा सकता, तब फिर मैं परमेश्वर के तुल्य हो जाता। मैं इसे समझा नहीं सकता हूं। मैं बस इसे विश्वास करता हूं। बस यही बात है। बस वही सब कुछ मुझे करने के लिए कहा गया है। किसी भी व्यक्ति को उसे समझाने के लिए नहीं कहा गया है, क्योंकि यह

हमारे दिमाग से परे है, यह हमारी समझ के परे है। यह परमेश्वर है जो कि उस बात को करता है, अतः उस बात को समझाया नहीं जा सकता है। मैं बस उसे विश्वास के द्वारा ग्रहण करता हूं, और कहता हूं, "यह मेरी निजी संपत्ति है, और मैं इसे विश्वास करता हूं।" मैं उसे समझा नहीं सकता हूं।

93 किस प्रकार से वह चट्टान वहां पर पड़ी हुयी है! परमेश्वर के पास एक चट्टान थी, जिसके अंदर जल भरा हुआ था, बस एक छोटी सी चट्टान थी, शायद इस मेज से बड़ी नहीं होगी। परन्तु जब मूसा ने उस चट्टान को मारा, उसके अन्दर से इतना अधिक जल बाहर आया कि बीस लाख लोगों को पानी पिलाया जा सके। और केवल यही नहीं, परन्तु जितने भी पशु और भेडें और इत्यादि जो कि उनके पास में थे।

94 ओह, जब मैं इनमें से कुछ चित्रकारों को देखता हूं, जो कि तस्वीरों को बनाते हैं, एक छोटी—छोटी सी बूंद उस चट्टान में से निकल रही होती है, और एक बच्चा वहां पर अपने हाथ में एक—एक छोटी सी बाल्टी लिए हुए खड़ा हुआ होता है! ओह, वह उस प्रकार से कभी भी नही आया था।

95 यह बहुतायत से बहने वाले झरनों के फूट निकलने द्वारा आया। उसने सारे पशुओं को पानी देने के अलावा बीस लाख लोगों को पानी दिया था। "और वह चट्टान मसीह यीशु था।" यह यूहन्ना 3:16 के समानान्तर एक सुन्दर बात है। "क्योंकि परमेश्वर ने संसार से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे नाश न हो, परन्तु अनंत जीवन को प्राप्त करें।"

96 और ध्यान दें कि क्या हुआ था। केवल एक ही तरीका था कि वे उस चट्टान में से पानी को पाते, न्याय की लाठी को उस चट्टान पर मारा जाना था। और मूसा ने उस चट्टान को मारा, और परमेश्वर का न्याय उस चट्टान पर आ पड़ा। और जब ऐसा हुआ, उसने पानी को दिया।

97 लोग पूर्ण रूप से... परमेश्वर उन्हें मरने देने में न्यायी था, क्योंकि उन्होंने उस पर अविश्वास किया था, वे अनादर कर रहे थे, वे भ्रष्ट थे, वे जीने के हकदार नहीं थे, यहां तक कि मूसा ने उन्हें "विद्रोही," कहा था, वे परमेश्वर के विरूद्ध विद्रोह कर रहे थे, और वे मरने के हकदार थे।

98 और हममें से सभी मरने के हक़दार थे क्योंकि हमने परमेश्वर के विरोध में विद्रोह किया था। चुने हुए... ध्यान दें, हम सभी मरने के हकदार थे। परन्तु परमेश्वर इतना अधिक करूणामयी है! उसे हमारे विषय में कभी भी सोचना

नहीं चाहिए था। परन्तु, वह इतना अधिक करूणामयी है, इतना तक उसने हममें से हर एक के पापों को ले लिया, और स्वयं के प्रिय पुत्र को मारा, जो कि मसीह था; ताकि हम नाश न हों, परन्तु हमें अनंत जीवन मिलने पाए। हम उस चट्टान में से पीकर और फिर अपने हृदय में ठीक कैसे नहीं हो सकते हैं?

99 परन्तु भाई, इस प्रातः लाखों हैं जो कि इस बात को कर रहे हैं। यह बिलकुल ठीक बात है। वे इसलिए भरोसा कर रहे हैं क्योंकि वे बैपटिस्ट, या मेथोडिस्ट, या पेंटीकोस्लट हैं। वे इसलिए भरोसा कर रहे हैं क्योंकि उन्हें कुछ विचित्र सी अनुभुति हुई है, क्योंकि उन्होंने अन्य भाषा में बोला, क्योंकि वे चिल्लाए हैं, क्योंकि वे नाचे हैं, क्योंकि उन्होंने एक चंगाई सभा को किया है और परमेश्वर ने बीमारों को चंगा किया है, या किसी बात पर वे भरोसा कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास एक प्रकाशन था (जो कि सत्य था,) क्योंकि उन्होंने *इसे*किया था। वे चीजें बिलकुल ठीक हैं, उनके विरोध में कुछ नहीं कहना है, परन्तु उसका आपके उद्धार से कोई लेना देना नहीं है, कुछ भी नहीं। आप अपने हाथों से तेल को उंडेल सकते हैं इतना तक कि वह गैलनों की मात्रा में निकल कर आए, या आपके चेहरे में से लहू निकल कर आए, और फिर भी उस बात का अर्थ नहीं है। यह सही है।

100 पौलूस ने कहा, "मैं मनुष्यों और दूतों की बोली बोलूं, फिर भी नाश हो सकता हूं।" चाहे मेरे पास बुद्धि और ज्ञान हो, और खड़े होकर बाईबल को समझा सकूं, बस इसे दिखने के लिए, अच्छी प्रकार से मिला–मिलाकर समझा दें, फिर भी उस बात का उससे कोई लेना देना नहीं है।

101 भाई, उन सभी ने एक ही चट्टान से पीया था। "वह चट्टान मसीह था।"

102 न्याय मसीह के ऊपर आया था, जिससे कि आपको आकर पीने को सौभाग्य प्राप्त हो सके। यह परमेश्वर की भलाई आपके लिए है, जिससे कि आप आकर पीने पाए। यह परमेश्वर की भलाई आपके लिए है जिससे कि आप वचन में से खाने पाये। यह परमेश्वर की भलाई आपके लिए है जो कि उसने आप को बपतिस्मा लेने की अनुमति दी। यह परमेश्वर की भलाई आपके लिए है कि आप को एक नागरिक बनाए, कि आपको अच्छा स्वास्थ प्रदान करें, कि वह आपको इस प्रातः कलीसिया में बैठने दे। यह परमेश्वर की भलाई है। यह सभी परमेश्वर की भलाई है!

103 परन्तु परमेश्वर के लिए वापसी में आपकी भलाई के विषय में क्या?

क्या आप सब कुछ समर्पित करना चाहते हैं, हर एक विचार, हर एक कार्य, सब कुछ उसको समर्पित करना चाहते हैं? यही—यही वह बात है जो कि परमेश्वर ने आप के लिए की है। आप उसके लिए क्या करेंगे?

104 ध्यान दें, आइये हम दो पदों को और पढ़ते हैं। और मैं—मैं बन्द करूंगा, ताकि पास्टर अपने वचन को बोल सके। अब देखिए। "और वही चट्टान मसीह था।" अब 5वा पद।

परन्तु परमेश्वर उन में से बहुतेरों से प्रसन्न न... हुआ:...

105 समझे? उसने उन्हें बपतिस्मा लेने की अनुमति दी। उसने उन्हें वचन में से खाने की और इसे विश्वास करने की अनुमति दी। उसने उन्हें आत्मिक आशीषों को लेने के लिए अनुमति दी। उसने उन्हें आत्मिक चट्टान में से पीने की अनुमति दी। यह सभी परमेश्वर ने अपने अनुग्रह के द्वारा किया, फिर भी परमेश्वर उनमें से बहुतेरों से प्रसन्न नहीं था। देखिए।

... इसलिए वे जंगल में ढेर हो गए।

106 इन सभी अनुभवों के बाद, हमारी की हुई सारी बड़ी चंगाई सभाओं को देखने के बाद, हमारे किये हुए सारे अद्भुत कार्यों के देखने के बाद, हमारी बड़ी भावनाओं के बाद जो हमें महसूस हुई थी, उस चिल्लाने और परमेश्वर की स्तुति करने की, उस चट्टान में से पीने के बाद, वे सभी अच्छे संदेशों के बाद जिनका हमने आनंद लिया है, और फिर भी नाश हो जाते हैं। सब ख़त्म हो जाता हैं! "दूर हो जाओ, हे कुकर्म करने वालो। मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना।"

107 जांच लें! हमारे पास एक आती हुई बेदारी है। मैं जानता हूं कि यह कड़क बात है। परन्तु, भाई, कोई भी पिता जो कि अपने बच्चों को न सुधारे, वह एक अच्छा पिता नहीं है। यह सत्य बात है। "ढेर हो गए।"

अब यह बातें हमारे लिए उदहारण ठहरीं,...

108 पौलूस बोल रहा है। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? यह एक उदाहरण था। तो ठीक है।

... कि जैसे उन्होंने लालच किया वैसे *हम भी बुरी वस्तुओं का लालच न करें।*

109 क्या आप कल्पना कर सकते हैं एक मनुष्य खड़ा है, जो कि एक ठग हो, और रिकार्डो को बजाता हो, और पुराने गंदे रॉक–एन–रोल गीतों को

बजाता हो, जैसे कि, "कुछ तो हुआ, और मैं पूरी तरह से हिल गया," और उसी प्रकार के गन्दे और पुराने गाने जो कि एल्विस प्रेसली और यह लोग बजाते हैं, और फिर वापस आकर और सुसमाचार के प्रचार की नकल करते है? उस के विषय में सोचिए!

110 क्या आप कल्पना कर सकते हैं एक पुरूष और एक स्त्री बाहर बैठे हुए हों, और स्त्री बाहर के आंगन में लेटी हुई हो, और छोटे से गन्दे दिखने वाले आधे वस्त्रों को पहने हुई हो, अपने आप को पुरूषों के सामने प्रस्तुत कर रही हो, और फिर वह ठीक वापस आकर और उस आत्मिक चट्टान में से पीए, और चिल्लाये और उस प्रकार से करती रहे?

111 पेंटीकोस्टल लोगों में एक बड़ा मत–सिद्धांत है, वो है स्त्रियों की स्वतंत्रता का। वे बड़े–बड़े, लंबे कान की बालियाँ पहनती हैं, और—और सभी प्रकार के वस्त्रों को पहनती हैं।

112 और एक युवा लड़का मेरे घर के सामने कुछ दिनों पहले बैठा हुआ था, एक छोटे से ट्रक में, रो रहा था, कि उसकी पत्नी... जो कि पेंटीकोस्टल है, अन्य भाषा में बोलती है और भविष्यवाणी करती है। निश्चित रूप से। और कहा, "सारी कलीसिया छोटे–छोटे कपड़े पहनती है।" और वह... "वह बाहर सड़क पर रात्रि आठ और नौ बजे जाती है, और छोटे सिगरेट के टुकड़ों को उठाती है जिसे दूसरे लोगो ने फेंका हुआ होता हैं, और धूम्रपान करती है। और फिर भी चिल्लाती है, प्रभु की स्तुति करती है, और भविष्यवाणी करती है।"

113 मैं एक दिन एक कलीसिया में खड़ा हुआ था, जहां पर परमेश्वर का एक महान जन था, जिसका मैं बहुत आदर करता हूं, और वह इस बात का परदाफाश कर रहा था। पुरुषों में से एक के बाद, जो इसका प्रधान होता है, वो बाहर चला जाता है, और—और उसके हाथों में से लहू बह कर बाहर निकलता है और ऐसी ही चीजे होती हैं। और पूरब से पश्चिम तक जा जाकर, इस चीज को गलत ठहरा–ठहरा कर मेरा गला खराब हो गया है, बाईबल के आधार पर यह गलत है। जबकि, यह बात परमेश्वर की ओर से नहीं है।

114 कोई भी लहू जो कि मसीह में से आता है यह उसका शारीरिक लहू होगा, तब तो फिर उसकी शारिरिक देह यहां पर है, तब तो उसका दूसरा आगमन पूरा हो चुका है। यीशु ने कहा, "इस पर विश्वास मत करना, जब

वे कहते हैं कि, 'देखो, वह रेगिस्तान में है।' इसे विश्वास मत करना जब कहें, 'वह यहां पर है।' इसे विश्वास मत करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे, और वे चिन्हों और चमत्कारों को दिखाएंगे, यहां तक हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें।" और मैंने इस बात को पूर्व और पश्चिम तक चिल्ला कर बोला है।

115 और अंत में, पश्चिमी तट पर, एक बूढ़े डॉक्टर केनेडा, जो कि मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं, खड़े हुए। और एक और व्यक्ति, जो कि किसी व्यक्ति का मैनेजर है जिसने इसे आरंभ किया, जो कि इन चलन में से एक चलन है, वह यहां पर आया और एक बड़े... कहा, "शुद्ध तेल और पवित्र लहू। हमारा लहू आज दिखाई देगा।" और उन्होंने इस स्थान को भर दिया। और उसने दिखाया कि कैसे, उसकी बेल्ट के नीचे, उसके पास दो सूइयां थीं जो कि नीचे की ओर से निकली हुई थीं।

116 और कोई भी इस बात को जानता है कि आप अपनी ऊंगली को नोच सकते हैं, और उसमें से लहू नहीं निकलेगा जब तक कि आप उसे न दबाएं। आप उसमें एक छेद कर दें, ऐसा नहीं होगा, क्योंकि नसें वहां पर से बहुत दूरी पर होती हैं। और जब उसने ऐसा किया, उसने यह दिखाया कि उसने यह कैसे किया।

117 उसके पास *यहाँ* पीछे की ओर तेल था, उसने उसके ऊपर हाथों को रखा। तब फिर वो वहां आया और कहा, "मेरे हाथों को देखो, यह पूर्ण रूप से सामान्य हैं।" फिर उसने कहा, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या!" और उसने अपने हाथों को *इस* प्रकार से दूध निकाला। निश्चित रूप से, वहां पर लहू था जो कि उसकी ऊंगलीयों को दबाकर निकाला गया। जबकि सभी चिल्ला रहे थे, उसने अपने माथे को पोंछा, और वहां पर क्रूस था। जबकि, वही व्यक्ति जो कि इस व्यक्ति के साथ में था जिसने कि इस बात को किया था, वह वहां पर था, उसका पर्दाफाश सभा के लोगो के सामने कर दिया गया, और... उसकी जेबों में देखा गया, तेलों और उन चीजों को दिखाने के लिए।

118 एक ने दीवार पर हृदय को लगाया, और कहा, "यह दीवार यीशु के लहू से सांस ले रही है। यह यीशु का हृदय है।" एक बहुत बूढ़ा व्यक्ति जो टेक्सास से था, अन्दर आया, वह डरा नहीं। कहा, "यदि कोई उसे छू लेगा, तो उसकी मृत्यु हो जाएगी।" उनके पास में रस्सियां थीं। सभी के

पास में उसकी तस्वीरें हैं और सभी कुछ हैं, जहां पर इस दीवार से लहू बह रहा था, हृदय में से लहू की सांस ली जा रही थी। और यह व्यक्ति अन्दर चलकर आता है और कलीसिया में चुपके से आता है, वह और उसकी पत्नी आते हैं, और दीवार पर से उस रंग को धो डाला, और वहां पर पीछे बैठ गए और इंतजार करने लगे। जब वे अन्दर आए पास्टर ने कहा, "अच्छा, आप जानते हैं, यीशु यहां पर था, और उसी ने इस चीज को वहां पर से मिटा दिया।"

119 उसने कहा, "यीशु का उस बात से कोई लेना देना नहीं है। मैंने इसे स्वयं किया है।" यह ठीक बात है।

120 क्या हुआ? यह ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर के जीवित वचन पर अस्थिर हैं। क्या बाईबल ने नहीं कहा, "वे पूरब से जाएंगे, पश्चिम से जाएंगे, उत्तर से और दक्षिण से जाएंगे। वहां केवल रोटी और पानी का अकाल नहीं होगा, वरन परमेश्वर के वचन के सुनने का अकाल पड़ेगा"? क्या ही दिन हैं जिसमें कि हम रह रहे हैं!

121 और हम अब देखते हैं कि यह सब बड़ी संस्थागत कलीसियाये सभी एक संघ में अपने आप में एक साथ हो रही हैं, और ये एक ऐसा स्थान पर आएंगे जब आप को इस कलीसियाओ के संघ में शामिल होना होगा इससे पहले कि आप के पास रेडियो हो। आप रेडियो पर से चले जाएंगे। लड़के, अप उस विषय में कभी भी चिन्ता न करो। और बाकी के सारे भी हैं, और सारे टेलीविजन के कार्यक्रम। इससे पहले कि आप उस बात को कर सकें, आपको कलीसियाओ के संघ में शामिल होना होगा। और जब आप ऐसा करते हैं, आप संसार में कुछ और नहीं कर रहे होते हैं परन्तु बाईबल में लिखी हुई पशु की छाप को ले रहे होंगे। आप उस स्थिति में हैं। देखें कि किस प्रकार से यह सभी एक साथ संघ को बना रहे हैं?

122 ओह, परमेश्वर का धन्यवाद हो, यह सत्य बात है कि एक जीवित परमेश्वर है। यह सत्य बात है कि एक सच्चा परमेश्वर है। यह सत्य बात है कि एक सच्चा वचन है। यह सत्य बात है कि एक सच्ची दिव्य चंगाई है। यह सत्य बात है कि यह सब बातें सत्य हैं। परन्तु, भाई, आप अपने विश्वास को किसी छोटी सी सनसनाहट पर, किसी कलीसिया की व्यवस्था पर आधारित ना करें, प्रभु भोज लेने पर, आत्मिक चट्टान में से खाने पर आधारित ना करें।

123 आप कहते हैं, "भाई, मैं *इस* बात को जानता हूं। मैंने परमेश्वर को चख लिया है।" वह बात बस बिलकुल ठीक हो सकती है। परन्तु वह किस प्रकार के स्थान में गिरा है? यही अगली बात है। वह किस प्रकार की बाल्टी के अन्दर आया है? "धर्मी और अधर्मी।" अब सुनें।

अब यह... बातें हमारे लिए दृष्टान्त ठहरीं, कि जैसे उन्होंने लालच किया वैसे हम भी बुरी वस्तुओ का लालच न करें।

124 उनका लालच क्या था? अब सुनें, मैं बस थोडा सा आगे जाना चाहता हूं, यदि आप मुझे क्षमा करें।

और न तुम मूर्तिपूजा करने वाले बनो,...

125 ओह, आप कहते हैं, "मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं, मैं मूर्तिपूजक नहीं हूं।" एक मिनट के लिए रुकें। आइए इस बात को वचन के द्वारा जांचें। आप कहते हैं, "मैं एक मूरत की आराधना नहीं करूंगा।" इसका पूर्ण रूप से यह अर्थ नहीं है कि आप एक मूरत की आराधना करते हैं। आपका बस व्यर्थ बैठे रहना, कुछ नहीं करना। कलीसिया जाएं, "हां, यह ठीक है।" वापस घर जाते हैं, उसके विषय में कुछ नहीं करते हैं।

126 भाई, एक वास्तविक नया जन्म पाया हुआ पुरुष या स्त्री शांत नहीं खड़े हो सकते है। उनके अन्दर कुछ तो होता है। उनको गवाही देनी होती है। उनको कुछ तो करना होता है। वे कुछ करने के लिए बाध्य होते हैं। वे शान्त नहीं बैठ सकते हैं। सुने।

और न तुम मूरत पूजने वाले बनो जैसे कि (वे) *उनमें से कितने बन गए थे; जैसा कि लिखा है, कि लोग खाने-पीने बैठे, और खेलने कूदने उठे।*

127 पौलूस किस विषय में बात कर रहा है? उदाहरण में। उनका बपतिस्मा कलीसिया में हुआ था। उनका बिलकुल सही-सही बपतिस्मा हुआ था। एक बार; तीन बार आगे; पीछे; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम के नाम में; जीसस ओनली; यह जो भी कुछ था, उनका ठीक प्रकार से बपतिस्मा हुआ था, उनका सही बपतिस्मा हुआ था। हम उस प्रकार की छोटी-छोटी चीजों के लिए विवाद करते और लड़ते हैं और बहस करते हैं। उससे क्या लाभ होता है? आप मुख्य सिद्धांत को छोड़ देते हैं। हमारी कलीसियाये बपतिस्में के बात पर विभाजित हो गयीं हैं। निश्चित रूप से।

128 फिर आप कहते हैं, "ओह, हाल्लेलुय्या! उनके पास वह आत्मिक आशीषें नहीं हैं जो कि हमारे पास हैं। वे ठंडे और औपचारिक हैं। परमेश्वर की महिमा हो, मैं परमेश्वर का वास्तविक मन्ना को खाता हूं। मैं जानता हूं कि यह सत्य है।" वह बात बिलकुल सत्य है, परन्तु उससे क्या फर्क पड़ता है? आप कहते हैं, "भाई, मैं... वो—वो पवित्र आत्मा वास्तव में हमारी कलीसिया में उतरता है।" यह अच्छी बात है, परन्तु उससे आप को क्या फर्क पड़ता है, यदि आप सही प्रकार के बर्तन नहीं हैं जिसमें कि वह गिरता है? याद रहे।

129 ओह, आप कहते हैं, "मैं ईमानदार हूं।" वैसे ही वे भी थे। उन्होंने अपने घरों को छोड़ दिया और बाहर चले गए, मृत्यु को आने के लिए उन्होंने अपनी गर्दन को सामने रखा। जितना हमें करना पड़ रहा है, उन्होंने उससे बहुत अधिक किया था। उसका उस बात से कोई लेना देना नहीं था। जरा सोचें।

130 बाईबल ने कहा, "व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते हैं। व्यर्थ में वे मेरी आराधना करते हैं।" बिलकुल सच्चाई से आराधना, व्यर्थ में हो रही है। वह कहां पर से आरंभ हुई? ठीक अदन की वाटिका से लेकर, कैन से। उसने परमेश्वर की आराधना बस उसी प्रकार से की जिस प्रकार से हाबिल ने की, परन्तु उसने व्यर्थ में आराधना को किया। जी हां, श्रीमान। "एक मार्ग है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है।"

131 आप कहते हैं, "अच्छा, ऐसा क्यों हैं? अब मैंने प्रायश्चित किया है। ऐसा क्यों है क्या मैं ठीक नहीं हूं? मैंने प्रायश्चित किया है।" मैं सोचता हूं कि मैं किसी और व्यक्ति की तरह अच्छा व्यक्ति हूं। मैं कलीसिया जाता हूं। मेरा बपतिस्मा हुआ है। मुझे परमेश्वर से आशीषें मिलती हैं। मुझे एक अच्छा संदेश प्रिय लगता है। मैं परमेश्वर के वचन से प्रेम करता हूं। मुझे उसे पड़ना अच्छा लगता है। और मुझे भी आत्मिक आशीषें मिलती हैं। और हाल्लेलुय्या, मैं भविष्यवाणी कर सकता हूं। मैं अन्य भाषा में बोल सकता हूं। मैंने सारी बातों को किया है, और आपके कहने का यह अर्थ है कि 'यह सब व्यर्थ में है'? "

132 अब, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह व्यर्थ में है, परन्तु यह संभव है कि यह व्यर्थ में हो सकता है। यह ठीक बात है। यह इस बात पर निर्भर है कि आप *वहां* अन्दर क्या हैं, यह ठीक बात है, और आप क्या हैं जो कि

इसको ग्रहण कर रहे हैं। यदि आप ने फिर से जन्म नहीं पाया है, यदि आप के अन्दर वास्तव में कुछ नहीं है, फिर यह व्यर्थ में है। वे सारी आशीषें, मुझे उससे लेना देना नहीं है। अब बस एक और।

और न हम व्याभिचार करें, जैसा उनमें से कितनों ने किया, और एक दिन में तेइस हजार जन मर गए।

133 "व्याभिचार किया," यह आत्मिक व्यभिचार है। यदि हमारे पास समय होता... संडे स्कूल समाप्त हो चुका है। आत्मिक व्यभिचार!

और न हम मसीह को परखें, जैसा उनमें से कितनों ने भी किया, और सांपों के द्वारा नाश किए गए।

और ना तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उनमें से कितने... कुड़कुडाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए।

134 कुड़कुडाना, लालच करना, अपने धर्म के साथ संसार को मिश्रित करना, बाहर जाना... परमेश्वर शुद्धता को पसन्द करता है, वास्तविक शुद्धता को।

135 इस प्रातः, मैं बातचीत कर रहा था। मैंने सोचा, "क्या... " अब, बन्द करते हुए, मैंने यह सोचा। "एक पुरूष के जीवन में क्या चीज और मधुर हो सकती है? घर आने से ज्यादा मीठी और क्या बात हो सकती है, जब वह थक कर चूर हो जाता है उसके हाथ में छोटी बाल्टी होती है, पूरे दिन काम करने के बाद, या जुताई करने के बाद, या जो कुछ काम हो सकता है, कि वह वहां चलकर जाए और उससे मिलने के लिए द्वार पर सुन्दर पत्नी खड़ी हो? एक मिनट के लिए उसकी गोद में बैठे, और उसकी भौंहों के ऊपर कुछ देर के लिए हाथ फेरे, और उसके गालों को चूमे, और अपने हाथों को उसके चारों ओर डाले, और कहे, 'प्रिय, मैं—मैं जानती हूं कि तुम थके हुए हो, और तुमने बहुत परिश्रम किया है।' उसे ढाढ़स दे।"

136 वह किस प्रकार से यह जानता है कि वह हाथ जो कि उसके चारो ओर है, वह पूरी तरह से उसका है। ये उसका हाथ है। वह हाथ कभी भी किसी और पुरूष के चारों ओर नहीं गया, या किसी और की इच्छा को रखा हो। जो उसके गालों पर चूमा गया, वह वास्तविक, विशुद्ध और पवित्र हृदय से आता है जो कि उससे प्रेम करता है, और केवल उसी से प्रेम करता है। यह बात आपको कैसे बना देती है... मैं जानता हूं, इस बात से आप अपने

सीने को तानकर और कहते हैं, "ओह, आखिरकार, मैं इतना थका हुआ नहीं हूं।" समझे? ऐसा ही है। यह आपके लिए कुछ तो करता है।

137 मैं आपको कुछ बताना चाहता हूं। परन्तु क्या हो यदि वह चुंबन उसके गालों पर दिया गया और उसके पास भरोसा न हो? शायद वह किसी और व्यक्ति के गालों पर दिया गया हो। क्या हो यदि वे हाथ जो कि उसके चारों ओर हैं, किसी और व्यक्ति को गले लगाया हो, और फिर भी उसी बात को करने की इच्छा रखता हों? उस बात का बहुत अधिक मायने नहीं होगा। वहां पर बहुत अधिक बात नहीं बनेगी। क्यों?

138 अब, आरंभ में, वे एक थे। परमेश्वर, जब उसने मनुष्य को बनाया, उसने उसको दोहरे व्यक्ति के रूप में बनाया, पुरूष और स्त्री दोनों। उसने उसको देह में अलग किया; और उसे धरती पर यहां देह में रखा, और स्त्री वाला भाग अभी भी आत्मा के रूप में था।

139 देखिए, मित्र, परमेश्वर बहुत सावधान था। ओह, कैसे यह... इस बात को अपने मन से अलग न होने दें। परमेश्वर ने कभी भी एक मुट्ठी भर मिट्टी लेकर और उसमें से हव्वा को नहीं बनाया; वो एक भिन्न सृष्टि हो जाती थी। और वह सृष्टि नही है। वो उप–उत्पादन है। और परमेश्वर आदम के हृदय में जाता है, इस पसली में, जो कि ठीक उसके हृदय के नीचे थी, और एक पसली को लेता है और एक पत्नी को बनाया। और आदम की आत्मा का ठीक वही भाग स्त्री में था, और वे दोनों एक थे; प्राण, देह, आत्मा, वे एक हैं। वे सिद्ध रूप से एक हैं। एक वास्तविक स्त्री... और एक वास्तविक पति, एक वास्तविक पत्नी, वे दोनों मिलकर एक हैं।

140 यह किस बात की प्रतिछाया है? मसीह की, जो कि उसकी छाती से निकली! वह उप–उत्पादन नहीं है, मेथोडिस्ट, या एक बैपटिस्ट, या एक पेंटीकोस्टल उत्पादन नहीं है। नहीं, श्रीमान। परन्तु उसके अपने हृदय से उसने निकाला, उसने एक हृदय प्रिय को लिया, जितनी शुद्ध और वफादार वह हो सकती है वह होती है। वह एक लिली के पौधे के समान वफादार है।

141 उसकी ओर देखें, वहां पर पीछे देखिए जब सुलेमान बोल रहा है, "हे मेरी प्रिय, आओ, हम अनारों के बगीचे में चलें। हम प्रेम से अपने जी को बहलाएं।" और जब एक वास्तविक विश्वासी अपने हाथों को शुद्ध हृदय के साथ फैलाता है, और वह मसीह को थाम लेता है, मसीह को प्रेम करने वाले की प्रीति उसके हृदय में चला जाता है। यह उसकी पत्नी है, ठीक

जिस प्रकार से एक पति एक सच्ची पत्नी के लिए करता है।

142 हमें किस प्रकार का व्यक्ति होना चाहिए? क्या हम मसीह के साथ, एक वेश्या का भाग अदा कर रहे हैं? क्या हम किसी छोटी सी बात पर निर्भर करते हैं, और संसार के पीछे और उसकी वस्तुओं के पीछे भाग रहे हैं, और सांसारिक मन को रखते है, और ना ही सच्चा प्रेम और भक्ति है जो कि हमारे पास होना चाहिए?

143 भाई, ओह, क्या आप पत्नी के लिए कल्पना कर सकते हैं, कि वह आकर और सुन्दर कपड़ों में और अपने नीचे पहनने वाले वस्त्रों के साथ और उन डोरीदार वस्त्रों के साथ आप की गोद में बैठे, और उसके बाल अच्छी तरह से सजे हुए हों, और बंधे हुए हों, और उस प्रकार से हर चीज हो? अपने हाथ को आपके चारों ओर डाल दे, कहे, "ओह जॉन, मैं केवल आपसे प्रेम करती हूं, *चुंबन, चुंबन, चुंबन,* मैं आपसे प्रेम करती हूं।" और उसके बाद ठीक तभी आप यह जान जाते हैं कि कुछ तो गलत है। आप को उसे में भरोसा नहीं होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह कितनी सुन्दर दिखती है और वह कितनी अच्छी तरह से सजी हुई हो। आपको, यदि आपको उस में सिद्ध रूप में भरोसा नहीं होता है, कहीं पर कुछ तो गलत है। यह—यह उस चाह को संतुष्ट नहीं करता है जो कि एक पुरूष को अपनी पत्नी के लिए होती है।

144 और अब बस अपने बारे में सोचे संसार के साथ में मुर्खता करते है और संसार के साथ में उलझते है, और अपने घुटनो पर आते है, कहते है, "ओह प्रभु यीशु, मैं आप से प्रेम करता हूं।" यह एक जलता हुआ, यहूदा ढोंगी का चुंबन होगा। यह ठीक बात है। इन बातों के विषय में सोचें। अब एक बेदारी आने वाली है। समझे?

145 ओह, हो सकता है कि आप के पास विवाह की अंगूठी हो, यह ठीक बात है, परन्तु आप एक पत्नी नहीं है। ओह, हो सकता है कि आप एक स्त्री हों। आप घर की महिला हों, परन्तु आप एक पत्नी नहीं हैं यदि आप इस प्रकार के कार्य को करते हैं।

146 और आप एक सच्चे मसीही नहीं है, आप मसीह का एक वास्तविक असली उत्पादन नहीं हैं, यदि आप हर एक बात में उससे प्रेम नहीं करते जो आपके अंदर है।

147 तो मैं इस बात की परवाह नही करता हूं कि आप सुन्दर दिखें, चाहे

न दिखें, आप उससे प्रेम करती हैं और आप अपने आप को प्रगट करती हैं। यह तब होता है जब आप दोनों एक बन जाते हैं; यह तब होता है जब मसीह और उसकी कलीसिया। ना ही संस्था के द्वारा, ना ही बपतिस्में के द्वारा, ना ही सनसनी महसूस होने के द्वारा; ना किसी और चीज के द्वारा परन्तु सच्चे प्रेम के द्वारा आप लाये गये थे, आपको परमेश्वर के हृदय से बाहर निकाला गया, जब उसको वहां पर घाव लगे और उसने आप को लाया। और आपका प्रेम, आप की सत्यता, और आपकी वफादारी इस बात को साबित करती है कि आप क्या हैं। समझे कि मेरा क्या अर्थ है? चाहे आप सुन्दर वस्त्रों को पहने, या चाहे आप...

148 मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूं कि मेरी पत्नी कभी अपने बालों की कंघी न करें, यदि वह एक सुन्दर वस्त्र न पहिने, या कभी भी... वहां पर, वह मेरी हृदय प्रिय होगी। मैं उसकी प्रशंसा उसकी वफादारी, उसके सद्गुण के कारण करता हूं। वह क्या है, यही है वो।

149 और एक मसीही पुरूष और स्त्री होने के द्वारा, यही हम परमेश्वर की दृष्टि में होते हैं। यह इसलिए नहीं है क्योंकि हम सबसे अच्छी कलीसिया में जा सकते हैं, या हम सबसे अच्छे वस्त्र पहन सकते हैं, या हम *इस* पड़ोस में जा सकते हैं, या हम *इस* बात को कर सकते हैं, या हम *इस* गाड़ी में जा सकते हैं, या हम *इस* बात को, *उस* बात को कर सकते हैं। उसका इस बात से एक बात में भी लेना देना नहीं है। यह तो हमारी वफादारी का सद्गुण होता है और मसीह के लिए हमारा प्रेम है। और यही तो जन्म है। यही वह चीज है जो आती है।

150 "और चाहे मैं मनुष्यों और दूतों की बोली बोलूं; मैं कुछ भी नहीं हूं। चाहे मैं निर्धनों को भोजन खिलाऊं; चाहे मैं अपनी वस्तुओं को दे दूं; चाहे मैं *यह* करूं, और *वो* करूँ, और *उस* बात को करूं; मैं कुछ भी नहीं हूं।" मसीह इस बात की क्या परवाह करता है कि आप क्या कुछ कर सकते हैं, और आप उस प्रकार से क्या कुछ कर सकते हैं, यदि यह सच्चा, और वास्तविक प्रेम ओर वफादार नहीं पाया जाता है? इसके विषय में सोचें, क्या आप नहीं सोचेंगे?

151 यह संडे स्कूल है, और याद रखे, यह आपके लिए एक पाठ है। वो बने, अपने हृदय में, मसीह को पहला स्थान होने दें, जैसे कि एक सच्ची स्त्री अपने पति के लिए करती है। कोई और हाथ उसे कहीं पर भी छू नहीं

सकता हो। ना ही कोई और चुंबन, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह बात कितनी अधिक सुन्दर क्यों न दिखती हो, और वह अपने सिर को घुमा लेती है। उसके पास केवल एक व्यक्ति का प्रेम होता है, और वह उसके पति के लिए है। यह ठीक बात है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह व्यक्ति कितना आकर्षक लगता हो, और वो कितना पॉलिश किया हो और उसके बाल कितने ही चिकने हों, और वह अपने आप को कैसे सही संयम में रख सकता हो। नहीं, श्रीमान। एक चीज भी नहीं। वह उस पति से प्रेम करती है, और केवल उसी से ही वह प्रेम करती है। वह अपने सारे सद्गुणों और अपने सारे चुंबनों से वंचित हो जाती है, उसका सारा प्रेम और सभी कुछ उसके पति के लिए होता है, और केवल उसी के लिए होता है। देखा कि मेरा क्या अर्थ है?

152 और आप संसार में हर एक चीज से वंचित हो जाते हैं, कोई फर्क नही पड़ता है कि ये दिखने में कितनी अच्छी लगती है, कितनी सुंदर दिखती है, और दिखने में कितनी आकर्षक लगती है। आप के सद्गुण के द्वारा ही आप को गिना जाएगा।

153 फिर आप कहते हैं, "ओह, हाल्लेलुय्या! मैं—मैं जानता हूं कि मुझे यह मिल गया, क्योंकि मैंने *ऐसा* किया। हाल्लेलुय्या!" आप के पास इतना गुस्सा है कि आप एक सनसनाती आरी के तुल्य हों।

मुझे आप को यह बताने दें, भाई, इसमें सद्गुण की आवश्यकता होती है जिसका मसीह आदर करता है।

154 "चाहे मैं मनुष्यों और दूतों की बोली बोलूं; चाहे मैं दोनों हाथों से लहू को निकाल सकू; चाहे मैं आत्मा में चिल्लाऊं और नाचूं; चाहे मैं परमेश्वर के वचन में से खा सकूं, और उससे प्रेम कर सकूं; चाहे मैं उसी आत्मिक चट्टान में से पी सकूं जैसे कि बाकी के लोग करते हैं; चाहे मैं ताली को बजा सकूं, बस ठीक जैसे बाकी के सब जोर से बजाते हैं।" [भाई ब्रंहम अपने हाथों से दो बार ताली बजाते हैं—सम्पा।] "चाहे मैं घड़ियाल के आंसू रोऊं; चाहे मैं *यह* सब कर सकूं! परन्तु यदि मसीह के लिए वह सच्चा, वास्तविक मसीही सद्गुण नहीं है, तो आप ठनठनाता हुआ पीतल, और एक झंझनाती हुई झांझ बन जाते हैं।" पौलूस अपनी कलीसिया को इस बात की चेतावनी दे रहा था, इस कुरिन्थियों की कलीसिया को, जो कि सभी प्रकार की काल्पनिक बातों में चली गयी थी।

155 मित्रों, मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, याद रखे, मुझे आप के लिए न्याय के दिन जवाब देना होगा, और आपका लहू मेरे ऊपर नहीं होगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप किसी भी चीज के प्रति कितने अधिक वफादार हो, आप मसीह के प्रति वफादार बने रहना है। इस बात को स्मरण रखें, जब हम प्रार्थना करते हैं।

156 धन्य स्वर्गीय पिता, इस वर्तमान स्थिति में, हम अब आते हैं और अपनी सारी गलत बातों को अंगीकार करते हैं। ओह, करूणा करने वाले परमेश्वर, आप करूणामयी होंना। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे हृदयों के अन्दर देखेंगे। और इस घड़ी में जिसमें कि हम अपने सिरों को इस मिट्टी की ओर झुकाकर प्रतीक्षा कर रहे हैं, बूढ़े व्यक्ति के हृदय के अंदर देखें, वृद्ध स्त्रियों के हृदय के अंदर देखें, मध्य वर्गीय उम्र के लोगों के हृदय में देखें, और युवाओं में, और यहां तक कि छोटे बच्चों के हृदय में देखें। और होने पाए कि हम अपने आप को जांचें।

157 हम उस पवित्र सप्ताह में आ रहे हैं जब हम गुड फ्राइडे और ईस्टर को मनाएंगे, जो कि पुनरुत्थान हैं। चाहे भले ही इस वर्ष हम कलीसिया के प्रति वफादार बने रहे, चाहे भले ही हमने प्रभु–भोज को लिया हो, चाहे हम चिल्लाए हों, हमने बहुत सी बातों को किया हो, परन्तु ओह परमेश्वर, मेरे हृदय के अन्दर देखिये। मैं अपने लिए बोल रहा हूं। मेरे हृदय के अंदर देखिये और यहां पर इस प्रातः मेरे इन लोगों के हृदय के अंदर देखिये, और प्रभु, हमें आप जांचें। ओह परमेश्वर, यदि कोई चीज है जो कि मसीह का स्थान ले रही है, उसे दूर हटा दें। यदि यह आलस है, बस कार्य क्षमता में कमी है, यदि वह जो कुछ भी बात है, मैं नहीं जानता हूं। परन्तु परमेश्वर, उस बात को हमसे दूर हटा लें। ओह, हम ठीक यहाँ इस युद्ध के समय में परास्त होना नहीं चाहते हैं, परमेश्वर के द्वारा परास्त होकर, और उसके शत्रु बनना नहीं चाहते हैं।

158 हे परमेश्वर, हमारे हृदय के अंदर देखें। अपनी पवित्र आत्मा के द्वारा हमें जांचें, और यदि हमारे अन्दर कोई बुरी बात है, हमें इस प्रातः देखने दें। यदि कुछ है, पिता उसे दूर हटा लें। हम अब इसे यहां वेदी पर रखते है, कि वहां चलकर जाते है और उसे वहां पर छोड़ते है। यदि वह आलस्य है, यदि वह क्रोध है, यदि वह उदासीनता है, यदि वह अनदेखा करना है, यदि ये कुछ भी क्यों न हो, यदि वह घृणा है, यदि वह द्वेष है, यदि वह झगड़ा

है, यदि ये जो कुछ भी हो सकता है, हे परमेश्वर, आज उसे हमसे दूर ले जाएं।

159 और इस आनेवाली बेदारी में, होने पाए कि हम आपकी मनोहरता से इतने अधिक भर जाएं प्रभु, इतना तक कि बहुत से लोग आकर और उद्धार को पाएं, यह छोटी सा समुदाय जो कि यहां पर है, जहां पर हमने बहुत घोर यत्न किया है। यह दस वर्षों में पहली बेदारी है, जो कि मैंने रखी है। अब, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारे हृदयो में उस वास्तविक, सच्चे आत्मा को देंगे।

160 होने पाए यह वहां पर अनंता के लिए लंगर को डाल दे। प्रभु, प्रदान करें। हम विवाहित लोगों को, स्वयं को जांचने के लिए प्रेरित करें, कि किस प्रकार से हम अपनी पत्नियों से व्यवहार करते है, हम कितने अधिक सच्चे हैं, या हमारी पत्नियां हमारे प्रति कितनी सच्ची हैं। और होने पाए कि इस प्रातः हम अपने हृदयों में इस चीज को लाने पाएं, कि हमें किस प्रकार से सोचना है यदि उस प्रकार की कोई बात हमारे घर में घटित होती है। और फिर होंने पाए हम अपने प्रेम को आपकी तरफ मोड लें, और कहे, "हे परमेश्वर, मुझ पर करूणा करें।"

161 ओह, यदि—यदि पत्नी, बस एक महीने में एक बार आकर और अपने हाथों को आप के हाथ के ऊपर रखे, और कहे, "प्रिय, मैं आपसे प्रेम करती हूं," और चली जाए, ओह, यह किस प्रकार से प्रतीत होगा कि वह मुझे अनदेखा कर रही है, और यह किस प्रकार से प्रतीत होगा कि कुछ तो गलत है। और परमेश्वर, जब हो सकता है एक महीने में एक बार, या एक बार जब हम कलीसिया जाएं, हम एक छोटी सी प्रार्थना करें! ओह, आपको हमारे प्रेम की आवश्यकता है, हर समय हमारी—हमारी—हमारी सहभागिता की आवश्यकता है, और हमारे विचार और हमारे हृदय की इच्छाएं आप पर बनी रहें। प्रभु, इसे प्रदान करें।

162 ओह, हमारे हृदय को आपके ऊपर इतना अधिक स्थिर रखें, कि संसार की चीजों के प्रति हम अंधे और बहुत ही बेरूख बन जाएं। प्रभु, इसे प्रदान करें। अब हमें सुने, और सभा के अगले भाग में हमें आशीषित करें। हम मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

163 अब, प्रभु आप को वास्तव में बहुत आशीष दे। और मैं... संडे स्कूल के समाप्त होने के बाद मैंने कुछ ज्यादा मिनट लिया है मुझे क्षमा करें। और

मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपको आशीष देगा। मैंने इन बातों को नहीं कहा है; यह परमेश्वर के वचन में हैं। वे हमारे लिए उदाहरण थे। वे उदाहरण हैं।

164 और मित्र, अब, देखें, आप को कैसा महसूस होगा यदि आप यह जानते कि जो पत्नी आप को चुंबन दे रही है वह विश्वासघाती है? इस पर सोचे। उसका कुछ देर के लिए अध्ययन करें। आप क्या सोचेंगे?

165 अब जब आप परमेश्वर के पास आते हैं, और एक विश्वासघाती हैं, ऐसा न करें। आइये हम सच्चे बने। आप को किसी सनसनी महसूस होने को लेने की आवश्यकता नहीं है। आप को कुछ तो भिन्न बात को लेने की आवश्यकता नहीं है, जबकि सारा आकाश परमेश्वर के वास्तविक सच्चे प्रेम से भरा हुआ है। आप विकल्प को क्यों लेना चाहते हैं जबकि आप को वास्तविक चीज मिल सकती है? यह आपके लिए है। अब होने पाए कि परमेश्वर आपको आशीष दे, जबकि मैं इस सभा को अपने पास्टर को सौंपता हूं।

166 और इस सप्ताह में आप न भूलें, अब, यह छोटी बेदारी इस समुदाय के लिए है और वे शहर जो कि लगभग इसके आसपास हैं उनके लिए है। आप अपने फोन पर जाएं, किसी से फोन करें, उन्हें आने के लिए कहें। हम वेदी की पुकार को करेंगे, और प्रभु में हम इस सप्ताह एक अच्छे समय की अपेक्षा कर रहे हैं।

167 प्रभु आपको आशीष दे जब तक कि मैं आपको अगली आने वाली बुधवार रात्रि को न मिलूं।

57-0414 कुरिन्थियों, सुधार की किताब
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ़्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org